● वर्ष : 17 ● अंक : 191 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शुक्रवार 01 मई 2026

इटली और दिल्ली के रक्षा संबंध महत्वपूर्ण पड़ाव पर, रक्षामंत्री की इटली के रक्षा मंत्री संग बैठक

एजेंसी। नई दिल्ली

इटली के रक्षा मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, नेशनल वॉर मेमोरियल पर फूल चढ़ाए

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में इटली के अपने समकक्ष मिस्टर गुइडो क्रोसेटो के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। इस दौरान उन्होंने दोहराया कि भारत-इटली के बीच रणनीतिक साझेदारी शांति, स्थिरता, आजादी और आपसी सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है। द्विपक्षीय वार्ता के लिए पहुंचने पर इटली के रक्षा मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेटो ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पचक्र चढ़ाकर देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने 2026-27 के लिए द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना का भी आदान-प्रदान किया, जिसमें सैन्य जुड़ाव का रास्ता तय किया गया। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'आज दिल्ली में अपने इटैलियन समकक्ष का स्वागत करके और उनके साथ लंबी बातचीत करके खुशी हुई। हमने वेस्ट एशिया के मौजूदा हालात समेत कई रीजनल और ग्लोबल मुद्दों पर चर्चा की। हमने 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रम और इटली के रक्षा सहयोग पहल के तहत आपसी फायदे वाले रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की। बैठक में दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही बदलते सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा किये। दोनों मंत्रियों ने दोहराया कि भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी शांति, स्थिरता, स्वतंत्रता और आपसी सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है। रक्षा मंत्री की अक्टूबर, 2023 में रोम यात्रा के बाद भारत और इटली के बीच रक्षा सहयोग को और गति मिली। रक्षा मंत्री क्रोसेटो की भारत की पहली यात्रा से दोनों देशों की मौजूदा सहयोग को और विस्तार देने और विशेष रूप से औद्योगिक साझेदारी के क्षेत्र में सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने की इच्छा प्रतिबिंबित हुई है। बैठक में अलग-अलग जरूरी समुद्री मुद्दों पर दोनों पुराने समुद्री देशों के बीच तालमेल पर भी जोर दिया गया, जिसमें गुरुग्राम के सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र के जरिए सूचनाओं का आदान-प्रदान भी शामिल है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच इसी साल जनवरी में रक्षा और रणनीतिक साझेदारी पर हुए समझौते से दोनों पक्षों के बीच रणनीतिक तालमेल बढ़ रहा है। यह समझौता रक्षा उद्योग में सहयोग को तेज करने के साथ-साथ साझा हितों वाले क्षेत्रों में नई संभावनाओं को प्रोत्साहित करेगा।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखाई सैन्य ताकत, हमने अपनी शर्तों पर युद्ध को रोका : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को साफ संदेश दिया कि किसी भी हालत में आतंकवाद की कोई भी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर को इस खतरे के खिलाफ सरकार के पक्के इरादे का सबूत बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद एक गलत सोच से निकलता है, जिसे धार्मिक रंग देकर या हिंसक सोच से जोड़कर सही ठहराने की कोशिश की जाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक बिगड़ी हुई और गलत सोच से पैदा होता है। यह इंसानियत पर एक काला धब्बा है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नेशनल सिक्योरिटी का मामला नहीं, बल्कि यह असल में इंसानियत के खास मूल्यों की रक्षा करने की लड़ाई है। यह एक ऐसी वहशी सोच के खिलाफ लड़ाई है, जो हर इंसानी मूल्य के सीधे खिलाफ है। हमने देश और विदेश दोनों जगह इस भारतीय नजरिए को साफ तौर पर बताया है। आतंकवाद सिर्फ एक देश विरोधी काम नहीं है। इसके कई पहलू हैं- ऑपरेशनल, वैचारिक और राजनीतिक। इससे तभी निपटा जा सकता है, जब हम इन सभी पहलुओं से निपटें। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब तक आतंकवाद रहेगा, यह सबकी शांति, विकास और खुशहाली को चुनौती देता रहेगा। आतंकवाद को धार्मिक रंग देकर या नक्सलवाद जैसी हिंसक सोच से जोड़कर उसे सही ठहराने की कोशिश की जाती है। यह बहुत खतरनाक है और एक तरह से आतंकवादियों को कवर फायर देता है, ताकि वे धीरे-धीरे अपने मकसद की ओर बढ़ सकें। आतंकवाद को पाकिस्तान के लगातार सहयोग पर राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों एक ही समय पर आजाद हुए थे, लेकिन आज भारत दुनिया भर में 'इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी' के लिए जाना जाता है।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

महिला आरक्षण: 2029 में 400 पार का लक्ष्य

भारतीय जनता पार्टी ने महिला आरक्षण बिल को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाया। यह सत्र ऐसे समय बुलाया गया, जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव चल रहे थे। मतदान 23 एवं 29 अप्रैल को होना था। कुछ दिन पहले ही संसद का सत्र स्थगित हुआ था। यदि यह बिल इतना जरूरी था, तो ऐसी स्थिति में जब संसद चल रही थी उसी समय यह बिल लाया जा सकता था। सरकार ने विशेष सत्र क्यों बुलाया, इसको लेकर भाजपा की रणनीति को समझना जरूरी है। महिला आरक्षण बिल 2023 में पास हो चुका है। इसमें 33 फीसदी महिलाओं को आरक्षण दिया जा चुका है। इसको लागू किस तरह से किया जाए, इसको लेकर दो महत्वपूर्ण विषयों पर सत्ता पक्ष राजनीति कर रही है। 2023 में जब महिला आरक्षण बिल सर्वसम्मति से पास हुआ था, उस समय विपक्ष की मांग थी, इसे तुरंत लागू किया जाए। 2024 का लोकसभा चुनाव 33 फीसद महिला आरक्षण के साथ हो। उस समय सत्ता पक्ष ने विपक्ष की मांग को स्वीकार नहीं किया।

सरकार ने बिल में प्रावधान किया, 2026 की जनगणना के बाद परिसीमन किया जाएगा। उसके बाद ही महिला आरक्षण संसद और विधानसभा में लागू किया जाएगा। महिला आरक्षण बिल पास होने के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव हुए। भाजपा को उम्मीद थी, महिला आरक्षण को लेकर वह 2024 के लोकसभा चुनाव को 400 से ज्यादा सीट पर चुनाव जीतेंगे। हुआ इसका उल्टा, भाजपा को मात्र 240 सीटों पर सीमित हो जाना पड़ा। भाजपा को पूर्ण बहुमत भी नहीं मिला। इसके बाद भाजपा ने रणनीति बदली, विपक्ष जिस तरह से सशक्त हो रहा था, उसको देखते हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने विशेष सत्र बुलाकर, यह सोचा था, महिला आरक्षण बिल के नाम पर जनगणना और परिसीमन को लेकर दो नए संशोधन करेंगे। इसके माध्यम से विधानसभा तथा 2029 का लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए महिलाओं के आरक्षण को शीर्ष पर रखा जाएगा।

सरकार को भरोसा था पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु की सांसदों की संख्या अधिक है, चुनाव के कारण वह सत्र में भाग नहीं लेंगे। उपस्थित सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से सदन के अंदर सरकार संशोधन बिल पास करा लेगी। यदि बिल पास नहीं हो पाया, तो भी महिला आरक्षण बिल को मुद्दा बनाकर भाजपा तमिलनाडु और बंगाल के विधानसभा में बढ़त बना लेगा। वहीं लोकसभा चुनाव में महिलाओं के मुद्दे पर विपक्ष को घेरेगा। संसद में दो तिहाई बहुमत से बिल पास नहीं हुआ।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

अवकाश की सूचना

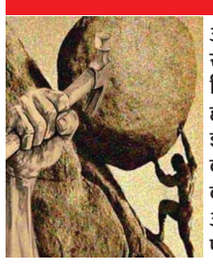

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर सभी श्रमिक बंधुओं, प्रिय पाठकों, विज्ञापनदाताओं और हॉकरों को हार्दिक शुभकामनाएं सह बधाई। इस अवसर पर एक मई (शुक्रवार) को अखबार कार्यालय में अवकाश की वजह से सुधि पाठक का अगला अंक तीन मई 2026 (रविवार) से पढ़ पाएंगे। सादर धन्यवाद!

हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाएं खारिज

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अदालत संसद को कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकती

सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाएं खारिज कर कहा कि अदालत संसद को कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे पर कानून बनाना विधायिका का अधिकार है। शीर्ष अदालत केवल जरूरत की ओर ध्यान दिला सकती है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि नीति बनाना और कानून तैयार करना विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। अदालत इसमें कोई दखल नहीं दे सकती। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उन याचिकाओं पर दिया, जिसमें केंद्र की मोदी सरकार को हेट स्पीच और अफवाह फैलाने से जुड़े कानूनों की समीक्षा कर नया कानून बनाने का निर्देश देने की मांग उठी थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि मौजूदा कानूनी ढांचा हेट स्पीच जैसे मामलों से निपटने के लिए सक्षम है। समस्या कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके लागू होने में देरी या असमानता की है। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक कई मामलों में कार्रवाई समय पर नहीं होती या एक जैसी नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कहना सही नहीं है, कि इस क्षेत्र में कोई कानूनी खालीपन है। कानून मौजूद हैं और उनमें कई प्रावधान हैं, जो सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने या समुदायों के बीच तनाव फैलाने वाले व्यवहार से निपट सकते हैं। दिक्कत कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके लागू होने के तरीके में है।

अमेरिका हाइपरसोनिक मिसाइल 'डार्क ईगल' तैनात करेगा

एजेंसी। तेहरान/वाशिंगटन

ईरान झुकने को तैयार नहीं

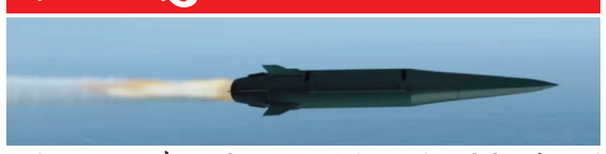

अमेरिका-इजराइल के साथ लड़ाई में अपने सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और शीर्ष सैन्य कमांडरों को खो चुका ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के आधिपत्य पर झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि ईरान को हार माननी ही पड़ेगी। ईरान ने ट्रंप के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरानी कमांडरों का कहना है कि सवाल ही नहीं उठता। ईरान तेल पर टिकी अपनी अर्थव्यवस्था के लड़खड़ाने के बीच अमेरिका से सीधा मुकाबला करने को तैयार है। स्थिति गंभीर होती देख अमेरिका होर्मुज में हाइपरसोनिक मिसाइल 'डार्क ईगल' की तैनाती पर विचार कर रहा है। इसकी मारक क्षमता 2700 किलोमीटर से अधिक है। सीएनएन, सीबीएस न्यूज, मेहर न्यूज एजेंसी, अल जजीरा, ब्लूमबर्ग और गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार मेजर जनरल मोहसिन रजेई ने कहा है कि ईरान की शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएं अमेरिका के किसी भी संभावित हमले का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के पूर्व कमांडर मेजर जनरल रजेई ने बुधवार देर रात एक टेलीविजन इंटरव्यू में कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका का कोई भी नया हमला विनाशकारी होगा। उन्होंने कहा, "इतिहास यह दर्ज करेगा कि ईरान ने फारसी खाड़ी और ओमान सागर में अमेरिकी महाशक्ति को डुबो दिया। इस बीच वैश्विक ऊर्जा बाजार में हाहाकार मचा हुआ है। कच्चे तेल की कीमत आसमान को छू रही है। अमेरिकी नाकाबंदी के बाद ईरान ने होर्मुज को पूरी तरह बंद कर दिया है। ईंधन की बढ़ती कीमत से खुद अमेरिका परेशान है। आईआरजीसी की नौसेना कमांडर रियर एडमिरल शहरम ईरानी ने कहा कि ईरान कभी हार नहीं मानेगा। ट्रंप की धमकियों की आगे देश नहीं झुकेगा।

ईरान जवाबी कार्रवाई के लिए हर मोर्चे पर तैयार है। उन्होंने कहा कि अगर दुश्मन में हिम्मत है तो होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज भेजकर देख ले। ईरानी ने कहा कि अमेरिकी नाकाबंदी बेअसर है। अनेक जहाज हमारे बंदरगाहों से रवाना हुए और कुछ अपने गंतव्य तक पहुंच गए। उन्होंने कहा कि दुश्मन को बहुत जल्द ऐसे हथियार का सामना करना पड़ेगा, जिससे वह बहुत डरता है। ईरानी ने कहा कि हमारी नौसेना अमेरिकी विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन पर सात मिसाइलें दाग चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

मतगणना केंद्रों में अब केवल क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान पत्र से मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतगणना केंद्रों की सुरक्षा को सुदृढ़ करते हुए क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान पत्र प्रणाली लागू कर दी है। इससे अनधिकृत व्यक्ति मतगणना केंद्र में प्रवेश नहीं कर पाएगा। प्रणाली ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म पर आधारित है और इसकी शुरुआत चार मई को होने वाली मतगणना से होगी। असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल एवं पुडुचेरी विधानसभा के चुनाव तथा पांच राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की मतगणना चार मई को होगी। गोवा की पोंडा विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग की अधिसूचना बंबई उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था, जिससे 9 अप्रैल को इस सीट पर होने वाला मतदान भी रद्द हो गया था। इस पहल के अंतर्गत तीन-स्तरीय सुरक्षा प्रणाली निर्धारित की गई है। पहले और दूसरे स्तर पर रिटर्निंग अधिकारी के माध्यम से फोटो पहचान पत्रों की मैन्युअल जांच होगी, जबकि तीसरे और सबसे अंदरूनी सुरक्षा घेरे में केवल क्यूआर कोड स्कैनिंग के बाद ही प्रवेश की अनुमति होगी। यह क्यूआर कोड आधारित पहचान पत्र रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, मतगणना कर्मियों, तकनीकी स्टाफ, प्रत्याशियों और उनके एजेंटों सहित सभी अधिकृत व्यक्तियों के लिए अनिवार्य होंगे।

हेलीकॉप्टर से सटीक मिसाइलें दागकर भारत ने रचा इतिहास, बढ़ेगी सेना की ताकत

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और इंडियन नेवी ने बंगाल की खाड़ी के तट से दूर भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर प्लेटफॉर्म से नौसैनिक लघु-श्रेणी रोधी मिसाइल का पहला सफल प्रक्षेपण किया। परीक्षण में एक ही हेलीकॉप्टर से दो मिसाइलें दागी गईं, जो इस उन्नत वायु-प्रवेशित जहाज-रोधी मिसाइल प्रणाली का पहला लॉन्च था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसैनिक लघु-श्रेणी रोधी मिसाइल के पहले सफल प्रक्षेपण के लिए डीआरडीओ, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना और उद्योग जगत के साथ-साथ डीसीपीपी भागीदारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस मिसाइल के विकास से सशस्त्र बलों की क्षमताओं में वृद्धि होगी। इससे पहले वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की तरफ से डिजाइन और विकसित किए गए उन्नत बख्तरबंद प्लेटफार्म का अनावरण रक्षा विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने 25 अप्रैल को अहिल्यानगर स्थित डीआरडीओ की प्रयोगशाला में किया था। इन प्लेटफार्मों को रक्षा बलों की उभरती परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है। दोनों प्लेटफॉर्म स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित 30 मिमी क्रूलेस टरेट से लैस हैं, जिनमें गतिशीलता, मारक क्षमता और सुरक्षा जरुरतों को पूरा करने के लिए उन्नत विशेषताएं हैं। 30 मिमी क्रूलेस बुर्ज और 7.62 मिमी पीकेटी गन को एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों को लॉन्च करने के लिए भी कॉन्फिगर किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत पर फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। पवन खेड़ा के खिलाफ असम पुलिस ने मानहानि और जालसाजी का मामला दर्ज किया था। यह मामला तब दर्ज किया गया था, जब पवन खेड़ा ने असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर आरोप लगाए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चांदुरकर की बेंच ने गुरुवार को मामले में सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की दलील सुनी। इसके बाद बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया। आगे कोर्ट तय करेगा कि पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी जाए या नहीं। सुनवाई के दौरान पवन खेड़ा की ओर से पेश अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करने की कोई जरूरत नहीं है। सिंघवी ने कहा कि पवन खेड़ा पर जो आरोप है, वह शिकायकर्ता की मानहानि करने का है। आरोप सही हैं या नहीं, यह ट्रायल में तय होगा। मानहानि के आरोप में पूछताछ की जा सकती है। गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है। हालांकि असम सरकार की तरफ से कोर्ट में पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत का विरोध किया।

ईरान युद्ध, यूक्रेन संघर्ष और व्हाइट हाउस में गोलीबारी पर पुतिन-ट्रंप ने की बात

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 90 मिनट से ज्यादा समय तक फोन पर बात की। यह बातचीत बुधवार को हुई थी। क्रेमलिन ने ट्रंप के साथ पुतिन की बातचीत को मैत्रीपूर्ण और व्यावसायिक बताया है। उसने कहा कि इस दौरान ईरान युद्ध, यूक्रेन संघर्ष और व्हाइट हाउस से जुड़े एक कार्यक्रम में हाल ही में हुई गोलीबारी समेत कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रंप के अनुरोध पर, पुतिन ने संपर्क रेखा पर मौजूदा स्थिति की जानकारी दी, जहां हमारी सेनाएं रणनीतिक बढ़त हासिल कर रही हैं और दुश्मन के ठिकानों को पीछे धकेल रही हैं।

ट्रंप ने भी हालिया ईस्टर युद्धविराम के लिए रूस की तारीफ की। वहीं पुतिन ने ट्रंप को आगामी विक्ट्री डे परेड में युद्धविराम की घोषणा करने के लिए रूस की तत्परता के बारे में सूचित किया। पुतिन ने ट्रंप से कहा कि कीव खुलेआम आतंकवादी तरीकों का सहारा ले रहा है, रूसी धरती पर पूरी तरह से नागरिक ठिकानों पर हमला कर रहा है और पुष्टि की कि विशेष सैन्य अभियान के लक्ष्य हर हाल में हासिल किए जाएंगे।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा का शुभारंभ, 1300 श्रद्धालुओं को लेकर दिल्ली से ट्रेन हुई रवाना

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से गुरुवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा का शुभारंभ हुआ। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इस मौके पर दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे। ट्रेन रवाना होने से पहले सभी ने श्रद्धालुओं से भेंट कर उन्हें यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय स्वाभिमान को कालजयी सोमनाथ मंदिर की गौरवगाथा के माध्यम से प्रस्तुत करना है। हमारी आस्था में सद्भावपूर्ण एकता का प्रवाह है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि देवाधिदेव महादेव की कृपा से आज मुझे दिल्ली के अपने भाई-बहनों को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-सोमनाथ यात्रा' पर भेजने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और प्रेरणा से सहस्र वर्ष की अखंड आस्था, पुनर्जागरण और राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक सोमनाथ का यह विशेष पर्व मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की सांस्कृतिक चेतना को जन-जन से जोड़ने का जो महाअभियान चलाया है, यह यात्रा उसी दृष्टि का सशक्त विस्तार है, जो हमें हमारी सनातन जड़ों से जोड़ते हुए भविष्य की ओर आगे बढ़ाती है। आज यहां से 1300 श्रद्धालुओं को लेकर जा रही यह विशेष ट्रेन शुक्रवार सुबह सोमनाथ पहुंचेगी। एक, दो व तीन मई को सभी श्रद्धालु भगवान शिव के पावन ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगे और आसपास स्थित प्रमुख मंदिरों में भी दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था के लिए गुजरात सरकार का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

चाबहार प्रोजेक्ट पर जंग का कोई असर नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरानी राजदूत ने कहा- 90 प्रतिशत काम पूरा

भारतीय जहाजों को पूरी सुरक्षा और लचीलापन प्रदान किया जा रहा है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार प्रोजेक्ट पर उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद यह काम कभी नहीं रुका। चाबहार-जाहेदान रेलवे का काम 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है और जून के मध्य तक रेल बिछाने का कार्य संपन्न हो जाएगा। साथ ही, अगस्त-सितंबर 2026 तक वहां अस्पताल और होटलों जैसी सुविधाएं भी तैयार हो जाएंगी। ईरान और अमेरिका के बीच गहराते सैन्य और कूटनीतिक तनाव के बीच भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहाली ने तेहरान का रुख स्पष्ट कर दिया है। एक विशेष बातचीत के दौरान राजदूत ने साफ कहा कि ईरान किसी भी दबाव के आगे घुटने नहीं टेकेगा और वह एक लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अमेरिकी दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ईरान के ढहने की बातें केवल प्रोपेगैंडा हैं और हकीकत इससे कोसों दूर है। राजदूत फतहाली ने स्पष्ट किया कि ईरान अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसकी प्राथमिकता स्थायी और टिकाऊ शांति है। उन्होंने कहा कि हम युद्ध और सीजफायर के अंतहीन चक्र में नहीं फंसना चाहते। ईरान की शर्तें बेहद स्पष्ट हैं- एनपीटी के तहत शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा का अधिकार और ईरान पर लगे अन्यायपूर्ण और अमानवीय प्रतिबंधों को पूरी तरह खत्म करना। उन्होंने कहा कि पिछले 47 वर्षों से अमेरिका ने ईरान की संपत्ति फ्रीज कर और दवाओं तक पर रोक लगाकर ईरानी जनता के साथ अन्याय किया है, लेकिन देश की राष्ट्रीय गरिमा पर कोई समझौता नहीं होगा।क्षेत्रीय सुरक्षा और व्यापार के मुद्दे पर राजदूत ने भारत के लिए सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने कहा कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात अंतरराष्ट्रीय नियमों के अधीन है। जिन देशों ने ईरान पर हमलों में हिस्सा नहीं लिया, खासकर भारत जैसे मित्र देश, उनके जहाजों के लिए कोई रोक नहीं है। सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैयद मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर उड़ रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए राजदूत ने कहा कि वे पूरी तरह स्वस्थ हैं और स्थिति को संभाल रहे हैं। वहीं, ईरान में रहने वाले लगभग 10,000 भारतीयों और सिख समुदाय की सुरक्षा पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनके धार्मिक अधिकारों और जान-माल की रक्षा सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने क्षेत्र में अस्थिरता का सारा दोष अमेरिका और इजरायल की आक्रामक नीतियों पर मढ़ा।

नेपाल के राष्ट्रपति ने बालेन्द्र सरकार के 6 अध्यादेशों में सिर्फ एक को मंजूरी दी

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की कैबिनेट से मंजूर कुल ६ अध्यादेशों में से सिर्फ एक अध्यादेश को मंजूरी दी है। बाकी ५ अध्यादेशों को फिलहाल होल्ड पर रखा गया है। राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता रितेश कुमार शाक्य के अनुसार सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति पौडेल ने यह अध्यादेश जारी किया। राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 114(1) के अनुसार सहकारी (पहला संशोधन) अध्यादेश जारी किया गया है। इससे पहले संवैधानिक परिषद, नेपाल ऐन, स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान, विश्वविद्यालय और सार्वजनिक पदाधिकारियों की पदमुक्ति से संबंधित अध्यादेश भी राष्ट्रपति के पास भेजे गए थे। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार बाकी पांच अध्यादेश फिलहाल अध्ययन और विचार-विमर्श की प्रक्रिया में हैं। प्रवक्ता शाक्य ने यह भी कहा कि वे यह नहीं बता सकते कि अन्य अध्यादेश आज ही जारी होंगे या नहीं। राष्ट्रपति पौडेल आज ही इन अध्यादेशों के विषय में संवैधानिक विशेषज्ञों के साथ परामर्श भी कर रहे हैं। कुछ संवैधानिक विशेषज्ञ इस चर्चा के लिए शीतल निवास पहुंच चुके हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

सी एम एस कानपुर रोड शाखा मे पढ़ने वाली आरना वाजपेई ने एक बार पुनः अपना परचम लहरा दिया है

लोकतंत्र की शान : आज कक्षा 12वी का परिणाम घोषित हुआ जिसमे आरना वाजपेई ने 99.50% लाकर अपने माता पिता व अभिभावकों का मान बढ़ाया। साईंस स्ट्रीम से कई विषयों में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये आरना ने इस परिणाम को पाने के लिए बहुत मेहनत की जिससे आज आरना को इतने अच्छे अंक प्राप्त हुए। आरना ने अपने माता पिता व अभिभावक गण को अपना मार्गदर्शक बताते हुए यह परिणाम हासिल किया है। आरना ने 10वीं कक्षा मे भी 99.4% लाकर स्कूल मे टॉप करके अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया था। आरना का लक्ष्य उच्च शिक्षा प्राप्त करके एक अच्छा डॉक्टर बनने का है।

सरकारी स्कूलों में बच्चों को देरी से किताबें उपलब्ध कराने को लेकर दिल्ली सरकार को नोटिस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों में किताबें उपलब्ध कराने में देरी होने पर दिल्ली सरकार को फटकार लगाई है। जस्टिस सचिन ने इस मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से पेश वकील ने कोर्ट से कहा कि दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों के छात्रों को गर्मी की छुट्टियों से पहले पुस्तकें उपलब्ध करा दी जाएंगी। तब कोर्ट ने इस दलील को रिकॉर्ड करते हुए इस पर जवाब और स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका सोशल जूरिस्ट नामक संगठन ने दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील अशोक अग्रवाल ने कहा कि सरकार की ओर से कोर्ट को भरोसा दिए जाने के बावजूद शैक्षणिक सत्र 2026-27 में अभी तक छात्रों को किताबें उपलब्ध नहीं करायी गई हैं। कोर्ट के पहले के आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन किया गया है। दिल्ली सरकार ने अप्रैल 2024 में कोर्ट को भरोसा दिया था कि वो छात्रों को समय पर शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराएगी। शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरु होता है। याचिका में कहा गया है कि छात्रों को अब तक पुस्तकें नहीं मिलने से उनकी पढ़ाई बाधित हो गई है। इससे सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के बीच बड़ा अंतर पैदा हो जाएगा। 9 मई के बाद गर्मी की छुट्टियां भी शुरु हो जाएंगी। ऐसा होना शिक्षा के अधिकार कानून का उल्लंघन है।

राशन कार्ड से जुड़ी शिकायतों के लिए हर शनिवार को लगेगा 'जन सुनवाई कैंप' : सिरसा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के मार्गदर्शन में दो मई से दिल्ली के सभी जिला कार्यालयों में 'जन सुनवाई कैंप' शुरू कर रहा है। ये कैंप हर शनिवार सुबह 9:00 बजे से 11:00 बजे तक आयोजित होंगे, जहां लोग राशन कार्ड से जुड़ी अपनी समस्याएं—जैसे नया कार्ड बनवाना, सुधार, पात्रता और वितरण से जुड़े मुद्दे—सीधे अधिकारियों के सामने रख सकेंगे और समाधान प्राप्त कर सकेंगे। यह जानकारी आज एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि हम लोगों और सरकारी सेवाओं के बीच की दूरी को कम कर रहे हैं और शिकायतों के समाधान को लोगों के दरवाजे तक ला रहे हैं। कोई भी पात्र परिवार अपने हक से वंचित नहीं रहेगा। खाद्य आपूर्ति विभाग ने इन कैंप के सफल संचालन के लिए विशेष टीमों की व्यवस्था की है, जो मौके पर ही जांच और समाधान सुनिश्चित करेंगी। प्राप्त शिकायतों को डिजिटल तरीके से ट्रैक किया जाएगा, ताकि समय पर फॉलो-अप हो सके और जवाबदेही बनी रहे। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन के अनुरूप है, जिसमें तकनीक आधारित और भ्रष्टाचार मुक्त पीडीएस के जरिए हर जरूरतमंद तक खाद्य सुरक्षा पहुंचाई जा रही है। जिला कार्यालयों की जानकारी और सेवाओं के लिए नागरिक आधिकारिक पोर्टल पर जा सकते हैं या टोल-फ्री नंबर 1967 या 14445 पर संपर्क कर सकते हैं।

लाल किला ब्लास्ट केस में जावेद सिद्दीकी की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने लाल किला ब्लास्ट से जुड़े मामले में अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद अहमद सिद्दीकी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। एडिशनल सेशंस जज शीतल चौधरी प्रधान ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखने का आदेश दिया। कोर्ट ने 6 अप्रैल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया था। ईडी ने 11 अप्रैल को अपना जवाब दाखिल किया था। जावेद अहमद सिद्दीकी को ईडी ने 18 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया था। फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी लाल किला ब्लास्ट के बाद से ही जांच एजेंसियों के रडार पर थी। मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों का संबंध अल फलाह यूनिवर्सिटी से पाया गया जिसके बाद इस यूनिवर्सिटी के खिलाफ जांच शुरू की गई। ईडी ने जावेद को टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी ने 16 जनवरी को जावेद अहमद सिद्दीकी और अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से दो एफआईआर दर्ज होने के बाद ईडी ने अपनी जांच शुरू की थी। एफआईआर में कहा गया है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी ने झूठी सूचना दी कि उसे नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडेशन काउंसिल (एनएएसी) की ओर से मान्यता मिल चुकी है। ईडी ने कहा है कि उसने मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत अल फलाह यूनिवर्सिटी की संपत्तियों को अनौपचारिक तौर पर जब्त कर लिया है। लालकिला के पास 10 नवंबर को ब्लास्ट हुआ था। ये कार आमिर रशीद अली के नाम पर थी। इस ब्लास्ट में 13 लोगों की मौत हुई थी और 32 लोग घायल हो गए थे। यूजीसी ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के खिलाफ शिकायत दर्ज की है, जिसके बाद क्राइम ब्रांच ने जावेद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया था। यूजीसी की शिकायतों के बाद दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जावेद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया था।

सरकार ने रणनीतिक कार्यबल विस्तार के जरिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सुदृढ़ किया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) के माध्यम से 50 हजार से अधिक कर्मचारियों की भर्ती करके सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को सुदृढ़ किया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि डीएफएस ने सुनियोजित कार्यबल विस्तार, बेहतर परिचालन दक्षता, डिजिटल बैंकिंग और ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने के लिए एक सुनियोजित मानकीकृत भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा है। मंत्रालय के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में भर्ती प्रक्रिया बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) के माध्यम से भाग लेने वाले बैंकों की विशिष्ट जनशक्ति आवश्यकताओं के अनुसार संचालित की जाती है। यह केंद्रीकृत और मानकीकृत ढांचा चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करता है। पीएसबी से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 50,552 उम्मीदवारों का चयन किया गया और उन्हें नियुक्ति पत्र जारी किए गए। यह बैंकिंग क्षेत्र की बढ़ती व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मानव संसाधन में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 30,827 था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 37,860 हो गया। मजबूत परिचालन क्षमता और कार्यभार का कम दबाव, ग्राहक सेवा वितरण और प्रतिक्रिया में सुधार, कम सुविधा प्राप्त क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार को समर्थन, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलने से ऋण तक पहुंच और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक देश की विकास यात्रा में प्रभावी ढंग से सहयोग करने में सक्षम होंगे। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को पर्याप्त, कुशल और भविष्य के लिए तैयार मानव संसाधनों से लैस किया जाए, जिससे वे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने, आर्थिक गतिविधि का समर्थन करने और अर्थव्यवस्था की बदलती जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। यह पीएसबी में कार्यबल में स्पष्ट और निरंतर वार्षिक विस्तार और पीएसबी कार्यालयों में पर्याप्त कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक सुनियोजित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

यूएन में बोला भारत- मध्य-पूर्व की सुरक्षा, स्थिरता में हमारी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी

लोकतंत्र की शान

न्यूयॉर्क। भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने के प्रयासों को संयुक्त राष्ट्र के मंच से 'निंदनीय' और 'अस्वीकार्य' करार दिया है। भारत ने दोहराया कि इन हमलों से समुद्री नौवहन की स्वतंत्रता बाधित हो रही है। इसके अलावा भारत ने मध्य-पूर्व क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए यह भी कहा कि मध्य-पूर्व की सुरक्षा एवं स्थिरता में हमारी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत योजना पटेल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में 'मध्य-पूर्व की स्थिति' पर भारत का पक्ष मजबूती से रखते हुए यह टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों के दौरान विशेष तौर पर भारतीय नाविकों की जान जाने पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। पटेल ने किसी देश का नाम लेकर जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने ईरान की ओर इशारा करते हुए याद दिलाया कि भारत ने बहरीन द्वारा लाए गए एक परिषद प्रस्ताव का सह-प्रायोजन किया था, जिसमें तेहरान द्वारा अपने मध्य पूर्व के पड़ोसियों पर किए गए हमलों की 'कड़ी शब्दों में' निंदा की गई थी। उन्होंने कहा इस संदर्भ में यह उल्लेख करना आवश्यक है कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 का सह-प्रायोजन किया था, जिसे 11 मार्च को अपनाया गया था। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने 29 अप्रैल को अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पटेल के संबोधन की एक वीडियो क्लिप साझा की। इसमें भारतीय राजनयिक ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से निर्बाध जहाजरानी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारत को उस क्षेत्र से महत्वपूर्ण संपर्क प्रदान करता है, जिसके साथ उसकी व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाएं भौगोलिक रूप से जुड़ी हुई हैं, जिसके अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर प्रभाव पड़ते हैं। उन्होंने आगे कहा लगभग 1 करोड़ भारतीय खाड़ी क्षेत्र में रहते और काम करते हैं और उनकी सुरक्षा एवं भलाई हमारे लिए एक प्रमुख प्राथमिकता है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव को कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा मध्य पूर्व हमारा निकटवर्ती पड़ोस है और इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता में हमारी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है।

दिल्ली हाईकोर्ट की जज ज्योति सिंह ने व्यक्तित्व अधिकारों के संरक्षण याचिका से खुद को अलग किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय की जस्टिस ज्योति सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक ब्रांड बोट (बीओएटी) के सह संस्थापक अमन गुप्ता की व्यक्तित्व के अधिकारों के संरक्षण के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस ज्योति सिंह ने इस याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग करते हुए इस याचिका को जस्टिस तुषार राव गडेला की बेंच के समक्ष लिस्ट करने का आदेश दिया। याचिका पर अगली सुनवाई 7 मई को होगी।अदालत में अमन गुप्ता की ओर से वरिष्ठ वकील श्येल त्रेहान और नकुल गांधी पेश हुए। याचिका में मांग की गई है कि अनधिकृत रूप से अमन गुप्ता के फोटो और एआई निर्मित कंटेंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे याचिकाकर्ता के व्यक्तित्व के अधिकारों का हनन हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले उच्च न्यायालय कई नामचीन हस्तियों को इसी तरह के अधिकारों की रक्षा का आदेश दे चुका है। इनमें तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन, कथावाचक अनिरुद्धाचार्य, मलयाल अभिनेता मोहनलाल, पूर्व सांसद गौतम गंभीर,

आचार्य बालकृष्ण, अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा, बाबा रामदेव, अभिनेत्री काजोल, अभिनेता विवेक ओबेरॉय, आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण, पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर, अभिनेता सलमान खान, अभिनेता अजय देवगन, अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन, पत्रकार सुधीर चौधरी, श्री श्री रविशंकर, तेलुगु अभिनेता नागार्जुन, अभिनेत्री ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन और फिल्म प्रोड्यूसर करण जौहर शामिल हैं।

देश की संपत्तियाँ निजी हाथों में सौंपने का आरोप कांग्रेस विचार विभाग की बैठक में उठा विरोध

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : आज नई दिल्ली में कांग्रेस के विचार विभाग की कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई, जिसमें सदस्यों ने देश की सरकारी परिसंपत्तियों और प्राकृतिक संसाधनों को निजी कंपनियों को सौंपे जाने को लेकर गहरी चिंता और आक्रोश व्यक्त किया। बैठक में विशेष रूप से उद्योगपति गौतम अडानी को लेकर सवाल उठाए गए और आरोप लगाया गया कि देश की बहुमूल्य संपत्तियाँ, नवरत्न कंपनियाँ तथा कीमती जमीन और जंगल उनके हाथों में दिए जा रहे हैं। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्षा डॉ. जया शुक्ला ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियाँ इतिहास की याद दिलाती हैं। उन्होंने इसे ईस्ट इंडिया कंपनी के दौर से जोड़ते हुए कहा कि जिस प्रकार उस समय विदेशी ताकतों ने भारत के संसाधनों का दोहन किया, आज वैसा ही परिदृश्य दिखाई दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब केंद्र सरकार के संरक्षण में हो रहा है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उपाध्यक्षा डॉ. नीता मिश्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि ईस्ट इंडिया कंपनी की सफलता का कारण उस समय भारतीय शासकों में एकता का अभाव था। लेकिन आज के समय में यह और भी चिंता का विषय है कि देश की अपनी ही केंद्र सरकार इस प्रकार की गतिविधियों में सहयोग करती नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर यह सब किसके निर्देश पर हो रहा है। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े महासचिव श्री रघुनंदन त्यागी ने कहा कि इस मुद्दे पर व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जन-जन तक इस विषय को पहुंचाएं और लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध करें। बैठक के अंत में डॉ. जया शुक्ला और डॉ. नीता मिश्रा ने संयुक्त रूप से कहा कि देश के प्राकृतिक संसाधनों और सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज उठाना समय की मांग है।

दिल्ली सरकार ने 'टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0' को किया तेज

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 'टीबी मुक्त भारत अभियान (टीबीएमबीए) 2.0' के तहत अपने प्रयासों को और तेज कर दिया है। यह अभियान 'राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम' (एनटीईपी) और 'सतत विकास लक्ष्यों' के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक टीबी को पूरी तरह से खत्म करना है। 24 मार्च 2026 को राष्ट्रीय स्तर पर टीबीएमबीए- 2.0 की शुरुआत होने के बाद से पूरी दिल्ली में टीबी की बीमारी की जल्द पहचान, व्यापक स्क्रीनिंग और संपूर्ण देखभाल पर केंद्रित विशेष प्रयासों का विस्तार किया गया है। इस पहल के तहत राव तुला राम मेमोरियल हॉस्पिटल (साउथ-वेस्ट जिला) के चेस्ट क्लिनिक द्वारा दिल्ली के विकास नगर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में एक 'आयुष्मान आरोग्य शिविर' का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह शामिल हुए और एक समर्पित टीबी जांच एवं उपचार केंद्र का उद्घाटन किया। यह नया केंद्र एनएएटी जांच के माध्यम से निःशुल्क स्क्रीनिंग एवं उपचार की सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ टीबी के मरीजों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करेगा। चेस्ट एक्स-रे स्क्रीनिंग के लिए आए लोगों से बातचीत करते हुए स्वास्थ्य

मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने टीबी की शुरुआती पहचान के महत्व पर विशेष जोर दिया, जिसमें टीबी की सब-क्लिनिकल स्तर पर पहचान भी शामिल है, ताकि इलाज के परिणाम को और बेहतर बनाने के साथ संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राजधानी दिल्ली टीबी उन्मूलन के लिए एक सक्रिय और समुदाय-आधारित दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध है। शुरुआती स्क्रीनिंग, समय पर निदान और संपूर्ण उपचार दिल्ली को टीबी मुक्त बनाने की रणनीति के प्रमुख स्तंभ हैं, ताकि हम टीबी-मुक्त राजधानी का लक्ष्य जल्द प्राप्त कर सकें। विकास नगर कैंप में लोगों की जबरदस्त भागीदारी देखने को मिली, जहां 102 लोगों के चेस्ट एक्स-रे किए गए। इसके अतिरिक्त 125 लोगों की रैंडम ब्लड शुगर और हीमोग्लोबिन की जांच की गई, जबकि 156 लोगों का ब्लड प्रेशर चेक किया गया। समुदाय में ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) की शुरुआती पहचान और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक, आईईसी पैम्फलेट का वितरण और स्थानीय स्तर पर मुनादी जैसी कई गतिविधियां चलाई गई, ताकि टीबी की शीघ्र पहचान और उपचार के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके। टीबीएमबीए 2.0 के तहत दिल्ली के टीबी उन्मूलन प्रयासों ने 24 मार्च से लेकर 30 अप्रैल 2026 के बीच उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिली है। इस अवधि में पूरे शहर में 850 आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 198 शिविर ज्यादा जोखिम वाले क्षेत्रों में लगाए गए और कुल 65,264 से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इनमें से 46950 लोगों के चेस्ट एक्स-रे और 21683 एनएएटी टेस्ट किए गए, जिसके परिणामस्वरूप 9432 टीबी मरीजों की पहचान और पंजीकरण किया गया। स्क्रीनिंग और इलाज के अलावा इस कार्यक्रम ने मरीजों को सहायता देने और बीमारी की रोकथाम पर भी विशेष ध्यान दिया गया। कुल 7117 घरेलू संपर्कों को टीबी से बचाव के लिए उपचार प्रदान किया गया, जबकि 3461 मरीजों को 'निक्षय मित्र' पहल के तहत पोषण सहायता के रूप में 'फ़ूड बास्केट' बांटी गई। जिससे सामुदायिक भागीदारी और ज्यादा मजबूत हुई और साथ ही 42 'निक्षय मित्र' पंजीकृत हुए। इसके अलावा 127 जन-प्रतिनिधियों—जिनमें विधायक, सांसद और पार्षद शामिल हैं की सक्रिय भागीदारी भी देखी गई।

दुष्कर्म पीड़िता की गर्भावस्था समाप्त करने संबंधी कानून में संशोधन पर विचार करे केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दुष्कर्म की शिकार 15 साल की गर्भवती लड़की को अपना गर्भ गिराने की इजाजत देने के आदेश को निरस्त करने की एम्स की याचिका पर कड़ा एतराज जताया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने केंद्र सरकार से कहा कि वो 20 हफ्ते से ज्यादा के गर्भ को हटाने के लिए कानून में संशोधन करने पर विचार करे। कोर्ट ने कहा कि अगर गर्भ दुष्कर्म की वजह से ठहरता है तो उसे हटाने की कोई समय-सीमा नहीं होनी चाहिए। कानून में समय के साथ बदलाव होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना उसे जीवन भर मानसिक पीड़ा देती है। कोर्ट ने कहा कि अगर मां को कोई स्थायी दिव्यांगता नहीं हो तो गर्भ जारी रखा जा सकता है लेकिन ये सबकुछ पीड़िता पर निर्भर करता है। सुनवाई के दौरान एम्स की ओर से पेश एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि गर्भ का हटाना संभव नहीं है। गर्भ के 30 हफ्ते हो चुके हैं। नवजात को गोद दिया जा सकता है। तब कोर्ट ने कहा कि ये पीड़िता का फैसला होगा कि उसे क्या करना है। 24 अप्रैल को जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने गर्भवती नाबालिग को अपना गर्भ गिराने की इजाजत दे दी थी। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि यह जन्म लेने वाले बच्चे का सवाल नहीं है बल्कि जरुरी ये है कि लड़की क्या चाहती है। अगर वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती है तो उसे मजबूर नहीं किया जा सकता है, भले ही बच्चे को जन्म देने के बाद गोद देने का विकल्प मौजूद हो। जस्टिस नागरत्ना ने कहा था कि किसी महिला, खासकर नाबालिग को इच्छा के खिलाफ गर्भ पूरा करने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है इसलिए उसकी इच्छा का सम्मान करना जरुरी है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि इस चरण में गर्भ हटाना मां और बच्चा दोनों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। मेहता ने डिलीवरी के बाद बच्चा गोद देने का सुझाव दिया था जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। दरअसल, लड़की एक नाबालिग लड़के के साथ आपसी सहमति से संबंध के बाद गर्भवती हुई थी। नाबालिग की मां ने एमटीपी एक्ट की तय समय सीमा के बाद लड़की के गर्भ को हटाने की इजाजत मांगी थी। लड़की ने भी कहा था कि वो गर्भ जारी नहीं रखना चाहती है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि इस गर्भ ने नाबालिग को गंभीर मानसिक तनाव दिया और इससे उसकी पढ़ाई पर असर पड़ा है। वो खुदकुशी की कोशिश भी कर चुकी है।

मंत्री सिरसा सुखो खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 'प्लैटिनम जुबली' समारोह में हुए शामिल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आज सुखो खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 70 साल पूरे होने पर आयोजित 'प्लैटिनम जुबली' समारोह में शामिल हुए। सिरसा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस संस्थान ने न केवल बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दी है, बल्कि उन्हें अपनी जड़ों, गुरुमुखी और उच्च संस्कारों से भी जोड़े रखा है। ज के दौर में शिक्षा की असली ताकत वही है जो हमें काबिल बनाने के साथ-साथ इंसानियत और अपनी विरासत का सम्मान करना भी सिखाए। सिरसा ने स्कूल प्रबंधन और सभी शिक्षकों को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि गुरु साहब जी की कृपा आप सभी पर हमेशा बनी रहे और यह संस्थान इसी तरह ज्ञान का प्रकाश फैलाती रहे। यहां से पढ़ने वाला हर बच्चा आगे बढ़कर अपने परिवार और देश का नाम रोशन करे।

महापौर प्रवेश वाही ने भलस्वा लैंडफिल साइट एवं घोघा स्थित सीबीजी प्लांट का किया निरीक्षण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के नवनिर्वाचित महापौर प्रवेश वाही ने कार्यभार संभालते ही सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करते हुए गुरुवार को भलस्वा लैंडफिल साइट का निरीक्षण किया और वहां चल रहे बायोमाइनिंग एवं बायो रेमेडिएशन कार्यों की जानकारी ली। इसके साथ ही महापौर ने घोघा स्थित सीबीजी प्लांट का भी निरीक्षण किया। प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने के लिए हमारे प्रयास जारी हैं एवं बायोमाइनिंग कार्यों की समीक्षा के लिए निरंतर दौरे किए जा रहे हैं। दिसंबर 2026 के अंत तक भलस्वा लैंडफिल साइट पर बायोमिनिंग कार्य पूर्ण कर लेगेसी कचरे को निस्तारित कर दिया जाएगा। प्रवेश वाही ने भलस्वा लैंडफिल साइट पर चल रहे लेगेसी कचरे के निस्तारण कार्य की प्रगति पर संतोष जताया लेकिन समय से लेगेसी कचरे के निस्तारण के लिए बायोमाइनिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लेगेसी कचरे के निस्तारण के लिए अतिरिक्त मशीनरी को लगाया जाए। महापौर ने कहा कि लेगेसी कचरे के निस्तारण के बाद लैंडफिल साइट पर हरित पट्टी विकसित करने के साथ-साथ लेगेसी कचरे के निस्तारण के पश्चात प्राप्त भूमि का उपयोग दिल्ली सरकार के साथ चर्चा करके जन हितैषी कार्यों के लिए किया जाएगा। प्रवेश वाही ने बताया कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर 73 लाख मीट्रिक टन लेगेसी कचरे का पहाड़ था। भलस्वा लैंडफिल साइट पर कचरे के निस्तारण का कार्य नवंबर 2022 में आरम्भ हुआ था और प्रथम चरण में 45 लाख मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण किया गया। कचरे के निस्तारण का द्वितीय चरण दिसंबर 2024 में आरम्भ हुआ और लगभग 43.44 लाख मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण और किया गया। उन्होंने बताया कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर अब लगभग 13.58 लाख मीट्रिक टन लेगेसी कचरा बचा है जिसे दिसंबर तक पूर्ण रूप से निस्तारित कर दिया जाएगा। भलस्वा लैंडफिल साइट पर लेगेसी कचरे के पहाड़ की अधिकतम ऊंचाई 65 मीटर थी जोकि अब घटकर लगभग 30 मीटर रह गई है। प्रवेश वाही ने घोघा स्थित सीबीजी प्लांट का भी निरीक्षण किया। महापौर ने इस दौरान सीबीजी प्लांट को सुचारू रूप से क्रियान्वयन में लाने के लिए सख्त निर्देश दिए। महापौर ने दिल्ली की जनता, आरडब्ल्यूए एवं बाजार संघों से अपील की कि कचरे को स्त्रोत पर ही गीले एवं सूखे कूड़े में पृथक किया जाए ताकि दिल्ली को कूड़ामुक्त बनाने की मुहिम में सफलता मिल सके। शत प्रतिशत कचरे का पृथक्करण करने वाली आरडब्ल्यूए को प्रोत्साहित भी किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त संजीव खिरवार, अतिरिक्त आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा, प्रमुख अभियंता पीसी मीणा, नरेला क्षेत्र के उपायुक्त राघवेंद्र मीणा सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली मंडल में 70वां रेल सेवा पुरस्कार : डीआरएम ने 100 रेलकर्मियों को किया सम्मानित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली मंडल के रेल प्रबंधक (डीआरएम) पुष्पेश रमण त्रिपाठी ने गुरुवार को 100 रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए 24x7 कठिन ड्यूटी निभाने में उनके समर्पण और प्रयासों की सराहना की। देश में पहली ट्रेन के बोरी-बंदर से ठाणे के बीच संचालन की स्मृति में मनाए जाने वाले रेलवे सप्ताह के अवसर पर दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे ने राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, नई दिल्ली में "70वां रेल सेवा पुरस्कार" समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश रमण त्रिपाठी ने की। इस मौके पर अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार सिन्हा, त्रिभुवन मिश्रा और नेम सिंह बघेल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी तथा यूनियन और संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह में वर्ष 2025-26 के दौरान दिल्ली मंडल की उपलब्धियों को भी बताया गया। यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए नई दिल्ली–फिरोजपुर खंड पर वंदे भारत ट्रेन और दिल्ली शाहदरा–शामली खंड पर दो मेमू सेवाएं शुरू की गईं, जबकि अमृत भारत योजना के तहत 34 स्टेशनों का पुनर्विकास किया गया। त्योहारों के दौरान बेहतर भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त टिकटिंग सुविधाएं, एम-यूटीएस और एटीवीएम लगाए गए। माल ढुलाई के क्षेत्र में मंडल ने 2025-26 में 20.45 मिलियन टन लदान और 16,101 रेक का संचालन करते हुए 7.28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जींद–पानीपत खंड पर गति 65 से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा की गई।तकनीकी उन्नयन के तहत आधुनिक शतक टॉवर वैगन, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, सौर ऊर्जा आधारित सुविधाएं और उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण लगाए गए, जिससे ऊर्जा बचत और प्रदूषण में कमी आई। सुरक्षा और सेवा अभियानों के तहत नन्हे फरिश्ते से 327 बच्चों को बचाया गया, ऑपरेशन अमानत में 3.28 करोड़ रुपये का सामान बरामद हुआ और ऑपरेशन नारकोस में 82.2 करोड़ रुपये के एनडीपीएस मामले पकड़े गए।इसके अलावा स्क्रैप निपटान से 58.51 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया और आवश्यक मशीनरी की खरीद से परिचालन क्षमता को मजबूत किया गया।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम आगापुर में 3 दिन में 9 लोगों को आवारा कुत्ते ने काट कर किया घायल

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम आगापुर उर्फ याकूबपुर में इन दिनों एक आवारा कुत्ते का आतंक फैला हुआ है, बताया जा रहा है कि पिछले तीन दिनों में इस आवारा कुत्ते ने मासूम बच्चों सहित 9 लोगों को काटकर घायल कर दिया, लगातार हमलो से लोगो में व गांव में भय का माहौल है, ग्रामीण हाथों में लाठी डंडे लेकर निकल रहे हैं तथा छोटे बच्चों को अकेले भेजना बिल्कुल बंद कर दिया गया है, बताया जा रहा है कि

गांव में बीते तीन दिनों में इस आवारा कुत्ते के हमले में 9 लोग घायल हुए जिनमें छोटे बच्चे युवा बुजुर्ग सभी शामिल है कुत्ते के हमले में 6 वर्षीय कुणाल, 4 वर्षीय अक्षु और 7 वर्षीय नैंसी जैसे मासूम बच्चे भी घायल हुए हैं बच्चों के घायल होने से परिजनों में चिंता बढ़ गई है, सभी घायलों को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया जहां सभी को एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए गए तथा डॉक्टर की निगरानी में सभी का उपचार किया गया, वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कुत्ते को पकड़ने की मांग की है उनका कहना है कि जब तक कुत्ते को नहीं पकड़ा जाता तब तक गांव में भय का माहौल बना रहेगा, वहीं इस संबंध में पशु चिकित्सा अधीक्षक चंद्रजीत सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिल चुकी है जल्द ही विशेषज्ञ टीम भेज कर आवारा कुत्ते को पकड़वाया जाएगा ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

चंदनपुर चीनी मिल में गन्ना सर्वेक्षण हेतु दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर/ चंदनपुर: गुरुवार को क्षेत्र की अग्रणी चीनी मिल त्रिवेणी चीनी मिल चंदनपुर में एच. एच. टी. मशीनों द्वारा सर्वे हेतु विशेष प्रशिक्षण दिया गया, आयुक्त गन्ना एवं गन्ना उत्तर प्रदेश लखनऊ के द्वारा जारी सर्वे पॉलिसी के अनुपालन में ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक चंदनपुर गजरौला रामजीवन जी एवं

राजेश कुमार ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक अमरोहा द्वारा चीनी मिल चंदनपुर के सभागार में गन्ना सर्वे कार्य को पारदर्शी बनाने हेतु विभाग एवं चीनी मिल के साथ संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित किया गया, प्रशिक्षण में समस्त राजकीय पर्यवेक्षकों एवं चीनी मिल सुपरवाइजर को जीपीएस युक्त एंड्राएड एच एच टी मशीनों से सर्वे करने का आसान तरीका बताया, मिल ऐप के तकनीकी संचालन का गहनता से अभ्यास कराया और गत वर्षों की भांति कार्य प्रणाली को अपनाते हुए इस बार भी सर्वेक्षण के समस्त आंकड़े सीधे गन्ना विकास विभाग के मुख्य सर्वर पर ऑनलाइन एक्सपोर्ट किए जायेंगे, गन्ना सर्वे का यह महत्वपूर्ण कार्य 1 मई से प्रारंभ होकर 30 जून तक पूर्ण किया जाना है, इस सत्र में केवल पौधा गन्ने का विस्तृत सर्वे किया जाएगा और गत वर्ष का पौधा गन्ना जो पेढ़ी गाने में परिवर्तित होगा उसका मात्र सत्यापन किया जाएगा, पेराई सत्र 2026 /27 के लिए नए सदस्य बनने और उपज बढ़ोतरी हेतु रसीद कटवाने की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है, चीनी मिल के महाप्रबंधक (गन्ना) आर एस सहरावत द्वारा गत वर्ष गन्ना सर्वेक्षण के समय की गई त्रुटि की पुर्नवृत्ति न करते हुए तथा गन्ना सर्वेक्षण 2026 हेतु दिए गए विभागीय निर्देशों विशेष कर सही प्रजातियां दर्ज करते हुए शुद्ध गन्ना सर्वेक्षण करने पर जोर दिया तथा आईटी हेड बाबूराम सैनी के द्वारा एच एच टी एंड्राइड मशीन की तकनीकी जानकारी व सर्वेक्षण कार्य में प्रयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई, गन्ना सर्वेक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुरेश शर्मा, प्रमोद कुमार सिंह, संजीव मलिक, समस्त राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक चंदनपुर, गजरौला एवं अमरोहा व चीनी मिल के समस्त सुपरवाइजर, कर्मचारी गण आदि उपस्थित रहे।

परिवारों में संस्कारित वातावरण का निर्माण के बिना हिंदू राष्ट्र का निर्माण असंभव : संजय गोयल

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: गुरुवार को क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में राष्ट्र सेवी संगठन के सौजन्य से संगठन संस्थापक सदस्य रूपचंद्र चौहान के आवास पर शांतिकुंज हरिद्वार के साधकों द्वारा गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में विश्व शान्ति की कामना को लेकर आहुतियां अर्पित की गईं। इस अवसर पर उपस्थित यज्ञ पुरोहित संजय गोयल एवं अंजू गोयल ने बताया कि गांव गांव देवस्थान तो बने हुए हैं लेकिन आवाजाही एवं धार्मिक आयोजनों के बिना सूने पड़े रहते हैं। धार्मिक स्थलों पर सप्ताह में कम से कम एक बार सामूहिक आयोजन किया जाना आवश्यक है। परिवारों में संस्कारित वातावरण का निर्माण नियमित साधना उपासना एवं यज्ञ आदि के आयोजन से ही संभव है। बिना संस्कार के मानव जीवन में शान्ति संभव नहीं है और न ही भारत के हिंदू राष्ट्र होने की कल्पना की जा सकती है। इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा,रूपचंद्र चौहान, निर्दोषदेवी, पुष्पा देवी,कुसुमलता, गायत्री देवी,ओमपाल सिंह, छत्रपाल सिंह, थल प्रकाश, कैलाश सिंह, आदि दर्जनों श्रद्धालु मौजूद रहे।

थाना गंज क्षेत्र में महिला आरक्षी व बच्चे की हत्या मामले में बड़ा खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। थाना गंज क्षेत्रान्तर्गत महिला आरक्षी एवं उसके बच्चे की हत्या कर घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने घटना को हादसा दिखाने के लिए साजिश रची थी, ताकि हत्या की सच्चाई सामने न आ सके। पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच करते हुए साक्ष्य जुटाए और कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डम्पर वाहन भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है तथा आगे की कार्रवाई जारी है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

रामपुर में ऐतिहासिक कार्य का साक्षी बना श्री भगवान परशुराम चौक

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्म,आभार, रामपुर उत्तर प्रदेश/जैसा कि सर्व विदित है की दिनांक २९/०४/२०२६ दिन बुधवार को सिविल लाइंस पर भगवान परशुराम चौक का विधिवत लोकार्पण माननीय आकाश सक्सेना जी के द्वारा फीता काटकर किया जा चुका है! यह एक ऐतिहासिक कार्य था जो की जीवन पर्यंत याद रहेगा आप सभी ने इस ऐतिहासिक कार्य का साक्षी बनकर एक दूसरे का मान सम्मान बढ़ाया है! इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में जनपद के समस्त तहसीलों बिलासपुर, स्वार,टांडा,मिलक,शाहबाद, सैफनी व अन्य जनपद मुरादाबाद,बरेली,संभल व रामपुर नगर से आए सैकड़ो ब्राह्मणों का हृदय तल से आभार आयोजकों की ओर से कुछ जाने अनजाने में कोई त्रुटि रह गई हो उसके लिए क्षमा प्रार्थी !,पंडित अभिषेक शर्मा ,जिला महामंत्री ,अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ,जनपद रामपुर

नजीबाबाद में एबीवीपी का धरना प्रदर्शन, पुलिस प्रशासन के खिलाफ लगे जोरदार नारे

» सीओ अंजनी कुमार के आश्वासन पर समाप्त हुआ जाम और धरना, कार्रवाई की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। माल गोदाम तिराहे पर उस समय हड़कंप मच गया जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने अचानक धरना प्रदर्शन कर सड़क जाम कर दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने "पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद" और "पुलिस प्रशासन होश में आओ" जैसे नारे लगाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। देखते ही देखते तिराहे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंजनी कुमार, नायब तहसीलदार अमित कुमार और थाना अध्यक्ष अमित कुमार पहुंचे और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि बीती रात वाहन चेकिंग के दौरान एबीवीपी के एक कार्यकर्ता की बाइक पुलिस द्वारा रोकी गई थी। आरोप है कि इस दौरान पुलिसकर्मियों ने कार्यकर्ता के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। कार्यकर्ता का कहना है कि जब उसने एबीवीपी के पदाधिकारी से फोन पर बात कराई, तब भी पुलिसकर्मियों का रवैया नहीं बदला और उसे थाने ले जाकर पिटाई करने की धमकी दी गई। इसी घटना से नाराज होकर एबीवीपी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में माल गोदाम तिराहे पर एकत्र हुए और धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट कहा कि वाहन चेकिंग के नाम पर अभद्र व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने एबीवीपी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से वार्ता की। इस दौरान परिषद ने संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और एक ज्ञापन सीओ नजीबाबाद को सौंपा। करीब बातचीत और आश्वासन के बाद सीओ अंजनी कुमार ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया, जिसके बाद एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने अपना धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया और यातायात व्यवस्था बहाल हो सकी।

कांग्रेस और सपा जन्मजात महिला विरोधी गिरगिट की तरह बदलते हैं रंगः सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र से पहले पत्रकार वार्ता में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इन दलों को महिला विरोधी बताते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संशोधन रोकने के उनके आचरण की निंदा के लिए यह विशेष सत्र बुलाया गया है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल जन्मजात महिला-विरोधी हैं। उनकी रग-रग में नारी का अपमान भरा हुआ है। जब भी सपा को प्रदेश में सत्ता मिली, महिलाओं पर अत्याचार और क्रूर घटनाओं ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं। हर व्यक्ति जानता है कि सपा सरकार के समय 'देख सफाई, बिटिया घबराई' जैसे स्लोगन बन गए थे। स्टेट गेस्ट हाउस कांड हो या अन्य महिला संबंधी अत्याचार, इनकी छवि जगजाहिर है।

विपक्ष ने छवि सुधारने का अवसर गंवा दिया-मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष किया कि इनके पास कालिख मिटाने का अच्छा अवसर था। वे नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक में सहयोग कर अपनी महिला-विरोधी छवि बदल सकते थे, लेकिन उन्होंने यह मौका भी गंवा दिया। अब ये दल लगातार इस मुहिम में लगे हैं कि यह संशोधन और अधिनियम लागू न हो पाए। विपक्ष ने ऐसे प्रयास किए जिनसे प्रदेश और देश में व्यवस्था पर सवाल खड़े हों।

कचरा ब्लास्ट के बाद जनता में आक्रोश, डीएम से की शिकायत

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

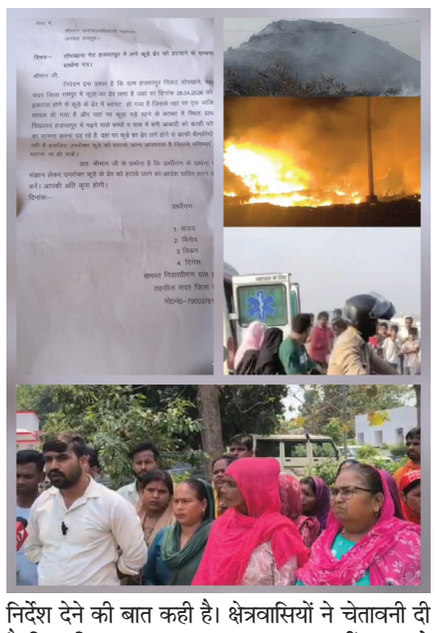

रामपुर। सदर तहसील क्षेत्र के हजरतपुर तोपखाना इलाके में कचरे के ढेर में हुए ब्लास्ट की घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। आम जनता पार्टी के पदाधिकारियों व क्षेत्रीय नागरिकों ने इस गंभीर समस्या को लेकर जिलाधिकारी रामपुर से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई। आम जनता पार्टी के प्रतिनिधियों ने डीएम को बताया कि इलाके में लंबे समय से कचरे का ढेर जमा है, जिससे गंदगी और बदबू फैल रही है। हाल ही में कचरे में हुए ब्लास्ट ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस प्रकार की घटनाएं किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती हैं। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि कचरे के ढेर के कारण आसपास के लोगों में संक्रमण, बुखार, सांस संबंधी बीमारी, त्वचा रोग जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा मच्छरों और आवारा जानवरों का भी आतंक बना हुआ है। आम जनता पार्टी ने डीएम से मांग की कि क्षेत्र में तत्काल कचरा हटवाया जाए, नियमित सफाई व्यवस्था लागू की जाए और कचरे के ढेर पर हो रहे ब्लास्ट जैसी घटनाओं की जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देने की बात कही है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

हसनपुर पुलिस ने किया 24 घंटे में बाइक चोरी का खुलासा, दो अभियुक्त गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: गुरुवार को हसनपुर कोतवाली पुलिस ने बाइक चोरी की एक घटना का मात्र 24 घंटे में खुलासा कर बड़ी सफलता हासिल की, पुलिस ने इस मामले में दो शातिर अभियुक्तओ को गिरफ्तार कर चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है, बता ते चले कि संभल जनपद के ग्राम कमालपुर निवासी गोविंद कुमार ने पुलिस को एक तहरीर दी थी जिसमें उसने बताया कि मोटरसाइकिल ग्राम सिरसा गुर्जर क्षेत्र से चोरी हो गई है, शिकायत मिलते ही हसनपुर पुलिस सक्रिय हो गई पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश पर तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया गया, टीम ने सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय मुखबिरो से चोरों तक पहुंचने की प्रक्रिया जारी रखी, पुलिस ने गजरौला रोड स्थित एक बंद पड़े पेट्रोल पंप के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान ग्राम सिरसा गुर्जर निवासी जगत सिंह और राजू के रूप में हुई है, तलाशी के दौरान एवं आरोपियों के निशान देही पर आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद हुई वहीं वाहन के इंजन और चेचिस नंबर शिकायत करता है की रिपोर्ट से पूरी तरह मेल खाते पाए गए जिससे चोरी की पुष्टि हुई, इस कार्यवाही को प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में कांस्टेबल दीपेश,आकाश तथा आनंद तोमर की टीम ने अंजाम दिया, टीम की तत्परता से 24 घंटे के भीतर चोरी का खुलासा संभव हो सका, इस संबंध में कोतवाली प्रभारी राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि दोनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं पहले भी अपराधी गतिविधियों में शामिल रह चुके हैं दोनों अभियुक्तों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया, पुलिस की इस तत्परता और प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र में व्यापक संदेश गया है स्थानीय लोगों ने कहा कि ऐसी कार्यवाही से अपराधियों में कानून का खौफ बढ़ेगा।

मुरादाबाद में संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, गले पर मिले निशान, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

» कटघर थाना क्षेत्र के शिव विहार कॉलोनी में हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मुरादाबाद: जनपद मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र के डबल फाटक स्थित शिव विहार कॉलोनी में उस समय सनसनी फैल गई जब एक विवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया। घटना की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि महिला का शव घर के अंदर मिला। जब मृतका के परिजन सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे तो उन्होंने महिला के गले पर संदिग्ध निशान देखे। इसके बाद परिजनों ने महिला की हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि महिला की मौत सामान्य नहीं है और इसके पीछे साजिश हो सकती है। घटना के बाद से कॉलोनी में दहशत का माहौल है। सूचना पर कटघर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। फिलहाल महिला की मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

एसपी सिटी/एसपी मुरादाबाद का बयान (इंटरव्यू बाइट)

एसपी मुरादाबाद ने बताया: "कटघर थाना क्षेत्र के शिव विहार कॉलोनी में एक महिला की मौत की सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और फॉरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की गहनता से जांच की जा रही है।"

पुलिस हर पहलू से कर रही जांच-पुलिस का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। मृतका के ससुराल पक्ष से भी पूछताछ की जा रही है। वहीं परिजन दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

इलाके में तनाव, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार-महिला की मौत के बाद शिव विहार कॉलोनी और आसपास के क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। पुलिस सुरक्षा व्यवस्था बनाए हुए है। अब सभी की निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे मौत का असली कारण सामने आ सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रामपुर में 19 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

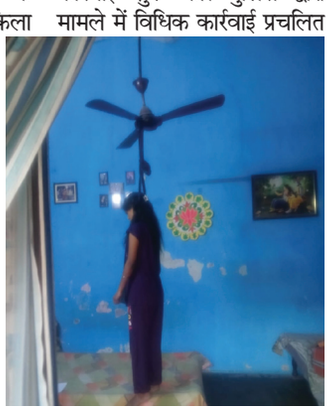

रामपुर। जनपद रामपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत किला परिसर स्थित महल सराय कॉलोनी में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां 19 वर्षीय छात्रा दीप्ति चौहान ने संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना दिनांक 29-04-2026 की है। मृतका दीप्ति चौहान बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा थी। वह मूल रूप से ग्राम दहगवां, थाना जरीफनगर, जनपद बदायूं की निवासी थी और वर्तमान में मकान नंबर 07, महल सराय कॉलोनी, किला परिसर, थाना कोतवाली, रामपुर में रह रही थी। मृतका के पिता नरेन्द्र प्रताप सिंह विकास भवन में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस द्वारा मामले में विधिक कार्रवाई प्रचलित है तथा आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जो काले कर्मों से राजमहल सजाते हैं, वही इतिहास में कलंक बन जाते हैंः सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विस्तृत चर्चा का प्रस्ताव रखा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्ष, खासतौर पर समाजवादी पार्टी व कांग्रेस पर तीखा हमला किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संशोधन 2019 में ही लागू होना चाहिए था, लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन ने लोकसभा में इसका विरोध किया। जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा व परिश्रम से लोहा मनवा रही हैं और बेहतरीन नेतृत्व दे रही हैं, तो आप लोग क्यों बाधक बन रहे हैं? वेलफेयर स्कीम्स से आगे बढ़कर अब उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व और नीति-निर्धारण में भागीदारी का अधिकार मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कटाक्ष किया कि "जो लोग काले कर्मों से राजमहल सजाते हैं, वही इतिहास में कलंक बन जाते हैं।" उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल को लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का महत्वपूर्ण प्रस्ताव गिराकर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी ने यही कलंक बनने का काम किया। प्रस्ताव गिरते ही एक-दूसरे को बधाई दी और नारेबाजी की कि हमने महिला आरक्षण विधेयक पारित नहीं होने दिया। यह आपका आचरण था, जिससे पूरा सदन और पूरा देश आहत है। इसी श्रृंखला में हम आज इस सदन में चर्चा करने आए हैं।

बरेली में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का तूफानी दौराः अफसरों की बढ़ी धड़कनें, स्कूल से संप्रेक्षण गृह तक खामियों को परखा

लोकतंत्र की शान

(बरेली उत्तर प्रदेश संदीप चंद्रा)बरेली, गुरुवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के बरेली पहुंचते ही प्रशासनिक अमला हाई अलर्ट पर आ गया। त्रिशूल हवाई अड्डे पर उतरने से लेकर दोपहर 1:25 बजे तक राज्यपाल का दौरा बेहद टाइट शेड्यूल में चला। जहां-जहां काफिला पहुंचा, वहां अफसरों के चेहरे पर बेचैनी साफ दिखी। औपचारिकता से हटकर राज्यपाल ने जमीनी हकीकत टटोली और छोटी-छोटी खामियों पर भी तीखे सवाल दाग दिए।

दिशा इंटर कॉलेज में क्लासरूम तक पहुंचीं राज्यपाल-एयरपोर्ट से सीधे दिशा इंटर कॉलेज पहुंची राज्यपाल ने प्रोटोकॉल तोड़कर क्लासरूम, लाइब्रेरी और संसाधनों का जायजा लिया। बच्चों से सीधी बात की और पढ़ाई का स्तर परखा। विशेष बच्चों की शिक्षा को लेकर उनका रुख बेहद सख्त दिखा। मंच से साफ कहा कि समावेशी शिक्षा सिर्फ फाइलों में नहीं, धरातल पर दिखनी चाहिए। संसाधन मजबूत करो, वरना कार्रवाई तय है। कार्यक्रम में बैठे शिक्षा विभाग के अफसरों और शिक्षाविदों को ये संदेश सीधा-सीधा चेतावनी जैसा था।संप्रेक्षण गृह में बच्चों की हालत पर ली रिपोर्ट, VVIP मूवमेंट से थमा शहर इसके बाद किला स्थित राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर पहुंचकर राज्यपाल ने बच्चों की सुरक्षा, रहन-सहन और खाने-पीने की व्यवस्थाओं की परत-दर-परत जांच की। रजिस्टर से लेकर किचन तक देखा। सूत्र बताते हैं कि कई खामियों पर मौके पर ही फटकार लगी। अफसर सफाई देते नजर आए। दोपहर 1:25 बजे राज्यपाल महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय के लिए रवाना हो गईं। वहां शिक्षा व्यवस्था पर समीक्षा बैठक होनी है। माना जा रहा है कि यहां भी कई अफसरों की क्लास लगेगी। शाम को रामगंगानगर में लखनऊ पब्लिक स्कूल की नई शाखा का उद्घाटन राज्यपाल करेंगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता संतोष गंगवार की मौजूदगी से सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है।राज्यपाल के दौरे को लेकर पूरे शहर को छावनी में बदल दिया गया। एयरपोर्ट से हर रूट पर पुलिस का कड़ा पहरा रहा। रूट डायवर्जन लागू किया गया। अफसरों को साफ हिदायत थी कि सुरक्षा में चूक बर्दाश्त नहीं होगी। पूरे दिन बरेली में वीवीआईपी मूवमेंट का असर दिखा।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में बाइक चोर रंगे हाथ पकड़ा, मंडी में लॉक तोड़ते दबोचा, पहले भी कर चुका था चोरी, साथी फरार

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र स्थित लगड़ीपाकड़ सब्जी मंडी में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं के बाद गुरुवार को एक शातिर चोर को रंगे हाथ पकड़ा गया। इस गिरफ्तारी से मंडी के दुकानदारों और ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है, जो लगातार चोरी की वारदातों से परेशान थे। चोरी की घटनाओं से त्रस्त होकर मंडी के दुकानदार और ग्राहक पहले से ही सतर्क थे और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। गुरुवार को चोर अपने गिरोह के साथ फिर मंडी पहुंचा और एक बाइक का लॉक तोड़ने की कोशिश करने लगा। तभी मंडी मालिक की नजर उस पर पड़ी और शोर मचाने पर मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया। स्थानीय लोगों द्वारा चोर की हल्की पिटाई की भी सूचना है, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पकड़े गए चोर की पहचान सारण जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत विक्रमपुर निवासी शत्रुघ्न सिंह के पुत्र दीपू कुमार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि वह पहले भी इस मंडी से बाइक चोरी कर चुका है। उसने यह भी बताया कि वह चोरी की गई गाड़ियों को मुजफ्फरपुर में बेचता था। बताया जा रहा है कि मंडी में लगे सीसीटीवी कैमरों में पहले की चोरी की घटनाओं में भी यही चोर कैद हुआ था। इसी आधार पर मंडी के लोग पहले से ही उस पर नजर रखे हुए थे। गुरुवार को जैसे ही वह फिर मंडी में दिखाई दिया, लोग सतर्क हो गए और अंततः उसे चोरी करते हुए पकड़ लिया। चोर दीपू कुमार सिंह ने यह भी खुलासा किया कि वह अपने एक साथी सुभाष सिंह के बेटे सुमित सिंह के साथ हरियाणा नंबर की वैगनआर चारपहिया वाहन से मंडी आता था। इस बार भी वे साथ आए थे, हालांकि उसका साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। सूचना मिलते ही लालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी दीपू कुमार सिंह को गिरफ्तार कर थाने ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।इस घटना के बाद मंडी के व्यवसायियों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, बगीचे में छापेमारी, भारी मात्रा में स्प्रिट-बोतल बरामद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के बेलसर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़े अवैध शराब सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। चकगुलामुद्दीन गांव के एक बगीचे में चल रही अवैध शराब फैक्ट्री पर छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली शराब, स्प्रिट, खाली बोतलें और ब्रांडेड रैपर बरामद किए गए हैं। इस कार्रवाई के दौरान एक शराब माफिया को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर, गुप्त सूचना के आधार पर बेलसर थाना पुलिस ने चकगुलामुद्दीन गांव के बगीचे में छापेमारी की। पुलिस टीम के पहुंचते ही वहां मौजूद शराब तस्करों में अफरा-तफरी मच गई। मौके से भागने की कोशिश कर रहे अपराधियों का पुलिस ने पीछा किया, जिसमें एक आरोपी को पकड़ लिया गया, जबकि अन्य फरार होने में सफल रहे। बगीचे की तलाशी लेने पर पुलिस को पता चला कि पूरे क्षेत्र को एक अवैध शराब फैक्ट्री में बदल दिया गया था। मौके से स्प्रिट से भरे कंटेनर, बड़ी संख्या में खाली बोतलें, ढक्कन और तैयार नकली शराब जब्त की गई। छापेमारी के दौरान हरियाणा, उत्तर प्रदेश और झारखंड के नामी ब्रांड्स जैसे ब्लेंडर्स प्राइड, रॉयल स्टैग और इम्पीरियल ब्लू के रैपर भी बरामद हुए। इन रैपर का उपयोग कर नकली शराब को असली बताकर बाजार में बेचने की तैयारी थी। पुलिस के अनुसार, बरामद की गई शराब अत्यधिक जहरीली हो सकती थी, जिससे बड़े पैमाने पर जनहानि की आशंका थी। समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक बड़ी त्रासदी टल गई है। पुलिस अब पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है और फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। यह भी जांच की जा रही है कि इस गिरोह के तार किन-किन राज्यों से जुड़े हैं।

बॉयफ्रेंड के साथ पकड़ी गई 2 बच्चों की मां ग्रामीणों ने मारपीट कर मंदिर में कराई शादी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में 2 बच्चों की मां को प्रेमी के साथ बगीचे में पकड़ा गया। ग्रामीणों ने युवक की जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद दोनों को पकड़कर छपकी पोखर स्थित एक मंदिर में उनकी शादी करवा दी। घटना पातेपुर थाना क्षेत्र की है। महिला की पहचान खुशी कुमारी और प्रेमी की पहचान परदेशी कुमार के रूप में हुई है। घायल प्रेमी को इलाज के लिए पातेपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है। खुशी कुमारी की शादी 2022 में राजीव पासवान से हुई थी। उनके दो छोटे बच्चे भी हैं। वहीं, खुशी कुमारी और परदेशी कुमार की एक साल पहले इंस्टाग्राम पर बातचीत शुरू हुई। दोस्ती होने के बाद दोनों फोन पर लगातार बातचीत करते रहते थे। इसी बीच दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। राजीव पासवान ने बताया कि मेरी पत्नी का दूसरे लड़के के साथ अफेयर चल रहा था। दोनों को जब पकड़ा गया, तो दोनों ने कहां उन्हें एक-दूसरे के साथ रहना है। उन्होंने बताया कि तीन बार लड़के से विवाद भी हुआ था। उसे मैंने बोला था हमारे दो बच्चे हैं। मेरी भी इज्जत-प्रतिष्ठा है, मेरी पत्नी से दूरी बना लो। मैंने दोनों को समझाने की बहुत कोशिश की थी। लेकिन दोनों ने मेरी बात नहीं मानी। राजीव पासवान ने कहा कि मेरी पत्नी को जब प्रेमी से मिलने का मन करता था, तो वो मुझसे झगड़ा करके घर से भाग जाती थी। मेरी पत्नी दीपावली के दिन भी प्रेमी के घर चली गईं थी। एक रात वहीं रही थी, फिर उसके मां-बाप उसको पकड़कर लाए थे। राजीव पासवान ने यह भी स्पष्ट किया कि वह अब अपनी पत्नी को अपने साथ नहीं रखना चाहते। मेरे 2 बेटे है, वो मेरे साथ रहेंगे। प्रेमी की पहचान पातेपुर के मण्डईडीह गांव निवासी मेघा पासवान के बेटे परदेशी कुमार के रूप में हुई है। परदेशी ने बताया कि कल मैं रिश्तेदार के यहां जा रहा था। इसी बीच खुशी ने फोन कर मिलने के लिए बुलाया तो मैं चला आया। इसी बीच गांव वालों ने हमें साथ में देख लिया। उन्होंने मारपीट करने के बाद हमारी शादी करवा दी। इधर शादी करने के बाद खुशी कुमारी ने बताया कि अब हम दूसरे पति के साथ रहेंगे। "मर जाएंगे लेकिन अब पहले पति के घर नहीं जाएंगे"। उसने बताया कि इंस्टाग्राम पर हम दोनों का संपर्क हुआ था और मैसेज में बातें होती थी।

जिओ टावर के कंट्रोल रूम में लगी आग, ब्लास्ट के बाद उठी लपटें, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में गुरुवार सुबह घर की छत पर लगे जिओ टावर के कंट्रोल सेंटर रूम में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। एक घंटे की मशक्कत से आग पर काबू पाया। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना मिठनपुरा थाना क्षेत्र के रज्जु साह लेन की है। मकान मालिक रंजन सिंह ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। जब छत पर पहुंचा तो देखा कि कंट्रोल रूम में आग लगी हुई है। शॉर्ट सर्किट या बैटरी ब्लास्ट होने की आशंका है। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बालू और पानी की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड के पदाधिकारी रामनिवास पांडे ने बताया कि इलाके की गली काफी संकरी और तारों से घिरी होने के कारण बड़ी गाड़ी को पहुंचने में दिक्कत हुई, इसलिए छोटी गाड़ियों की मदद से आग बुझाई गई। रिहायशी इलाके में बिना पर्याप्त अग्नि सुरक्षा के इस तरह टावर लगाना लापरवाही दर्शाता है और इस पर विभागीय स्तर पर बात की जाएगी। मौके पर जिओ कंपनी के अधिकारी भी पहुंचे और जांच शुरू की। हालांकि उन्होंने आधिकारिक तौर पर कुछ भी कहने से इनकार किया, लेकिन प्रारंभिक तौर पर बैटरी ब्लास्ट को आग लगने की संभावित वजह बताया जा रहा है।

दिल्ली में बिहारी युवक की हत्या पर कांग्रेस का प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान , पटना

दिल्ली में एक बिहारी मजदूर की कथित तौर पर पहचान पूछकर गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना ने बिहार की सियासत को गरमा दिया है। इस घटना के विरोध में बिहार प्रदेश कांग्रेस ने पटना स्थित सदाकत आश्रम के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए और केंद्र सरकार के साथ-साथ एनडीए के नेताओं पर भी निशाना साधा। प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और वरिष्ठ नेता शकील अहमद खान ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। घटना को शर्मनाक और चिंताजनक बताया।

राजेश राम बोले- समाज में बढ़ती असहिष्णुता: राजेश राम ने कहा, जिस तरह से युवक से उसका राज्य पूछा गया और बिहार का नाम सुनते ही गोली मार दी गई, वह न सिर्फ कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है बल्कि समाज में बढ़ती असहिष्णुता को भी दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज बिहारी देशभर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं, लेकिन इस तरह की घटनाएं उनके सम्मान और सुरक्षा पर बड़ा सवाल है।

केंद्र सरकार पर साधा निशाना: कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार की चुप्पी को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि इतनी गंभीर घटना के बावजूद सरकार की ओर से कोई ठोस बयान या कार्रवाई सामने नहीं आई है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए।

मांझी के बयान पर भड़की कांग्रेस: इस घटना के बाद दिए गए बयान को लेकर कांग्रेस ने जीतन राम मांझी को भी आड़े हाथों लिया। राजेश राम ने कहा कि एक बिहारी युवक की हत्या हो जाती है और इस पर इस तरह का बयान देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह पूरी तरह से अवसरवादी राजनीति का उदाहरण है।कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि आखिर इतनी बड़ी घटना के बाद भी मांझी संवेदनशील प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे पाए।

चिराग पासवान की चुप्पी पर सवाल: प्रदर्शन के दौरान चिराग पासवान की चुप्पी को लेकर भी कांग्रेस ने निशाना साधा। राजेश राम ने कहा कि जो नेता 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की बात करते हैं, वे इस घटना पर खामोश क्यों हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि चिराग पासवान सिर्फ राजनीतिक परिस्थितियों के हिसाब से बयान देते हैं और इस मामले में उनकी चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। कांग्रेस ने इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

राजेश राम बोले- बिहारियों के सम्मान-सुरक्षा पर बड़ा सवाल, मांझी और चिराग को भी घेरा

स्टेशनों पर जोखिमों की पहचान कर निराकरण के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा: रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संभावित जोखिमों की पहचान कर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, ट्रैक, विद्युत उपकरणों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का नियमित निरीक्षण कर खतरों को चिन्हित किया जाएगा और समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। निर्देश में कहा गया है कि स्टेशन अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करें। विशेष रूप से उन स्थानों पर ध्यान दिया जाए जहां यात्रियों की अधिक भीड़ होती है या दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। निरीक्षण के दौरान पाए गए जोखिमों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने की जिम्मेदारी तय की गई है। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कर्मचारियों को सतर्क रहते हुए सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही यात्रियों से भी अपील की गई है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत रेलवे अधिकारियों को दें। इस पहल से स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ ही यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा।

4 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश, पटना समेत कई शहरों में छाए बादल

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में गुरुवार को भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। ज्यादातर जिलों में दिनभर बादल छाए रहे। शाम में नवादा, लखीसराय, जमुई और शेखपुरा में तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। पटना समेत कई जिलों में भी बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज 19 जिलों में ऑरेंज, जबकि 19 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

रोहतास के नोहटा प्रखंड स्थित महादेव खोह वाटर फॉल में बुधवार की रात पहाड़ी इलाकों में हुई भारी बारिश के बाद अचानक पानी का तेज बहाव देखने को मिला। पिछले 24 घंटे में आंधी-बारिश से बिहार में 10 लोगों की मौत हुई है। इनमें सबसे ज्यादा पटना और बेतिया में 2-2 लोगों की मौत हो गई। वहीं जहानाबाद में छज्जा गिरने से 4 लोग घायल हो गए। वहीं, भोजपुर में महुली पीपा पुल तीन हिस्सों में बंट गया।

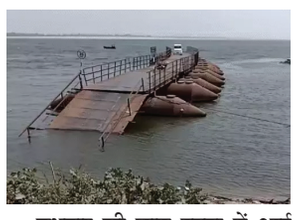

बुधवार की शाम पटना में आई आंधी-बारिश ने विमानों और ट्रेनों की रफ्तार रोक दी। एअर इंडिया की दिल्ली से आने वाली फ्लाइट को वाराणसी, जबकि इंडिगो की कोलकाता से आने वाली फ्लाइट को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। दोनों विमानों में 175 यात्री थे।

वहीं पटना-दिल्ली रेललाइन पर बिहटा-कुल्हड़िया के बीच ओवरहेड वायर पर पेड़ गिरने से करीब डेढ़ घंटा तक ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। राजेंद्रनगर तेजस राजधानी शाम 7:55 से 9 बजे तक फुलवारी में रुकी रही। संपूर्ण क्रांति पटना जंक्शन और मगध एक्सप्रेस बिहटा स्टेशन पर रुकी रही।

संघर्ष का आह्वान : ' एकला चलो रे '

लोकतंत्र की शान ,डॉ.ममता कुमारी, सहायक प्राध्यापिका , हिंदी विभाग

ललित नारायण तिरहुत महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर: साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित विश्व विख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक गुरु रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती 7 मई पर उनकी विशिष्ट कविता' एकला चलो रे ' की प्रसांगिकता I' एकला चलो रे' रवींद्रनाथ टैगोर की गीतात्मक संग्रह ' गीतांजलि' नामक काव्य संग्रह में संग्रहित है। रविंद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता में हुआ था और 7 अगस्त 1941 को वहीं उनकी मृत्यु हो गई थी। रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म एक प्रसिद्ध और बुद्धिजीवी परिवार में हुआ था। उनके पिता देवेंद्र नाथ टैगोर एक प्रमुख दार्शनिक और समाज सुधारक थे। रवींद्रनाथ टैगोर की प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही हुई थी कानून की पढ़ाई के लिए वह इंग्लैंड गए I वे एक समाज

सुधारक भी थे उन्होंने शांति निकेतन की स्थापना की जो बाद में विश्व भारती विश्वविद्यालय बना। गुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने साहित्य, संगीत, कला और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया I उन्हें भारतीय सांस्कृतिक चेतना को जगाने वाले युग द्रष्टा के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने बंगाली साहित्य में नए गद्य और पध में बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया। रविंद्र नाथ टैगोर ने भारतीय संस्कृति से पश्चिमी देशों को भी प्रभावित किया उन्हें आमतौर पर 20वीं सदी के शुरुआती भारत के उत्कृष्ट रचनात्मक कलाकार के रूप में माना जाता है। 1913 में वे साहित्य के नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले गैर यूरोपीय बने। उनकी रचनाएं दो देशों केलिए राष्ट्रगान भी बनी I भारत का " जन गण मन" और बांग्लादेश का"आमार सोनार बांग्ला" उनकी मां शारदा देवी सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय थी, मां की विचारधारा का प्रभाव रविंद्र नाथ टैगोर पर भरपूर पड़ा I उनकी प्रसिद्ध रचनाओं में गीतांजलि, चोखेर बाली, काबुलीवाला, चार अध्याय और घरे बाइरे शामिल है। कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित करती गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर की कविता" एकला चलो रे " देश भक्ति की भावना से ओत प्रोत है I1905 में लिखा गया यह गीत हमें विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी बात मजबूती से रखने के लिए प्रेरित करने वाला है। मूलत बांग्ला भाषा में लिखे गए इस गीत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई I

उर्दू भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा, विजेताओं को किया गया सम्मानित

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा: मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, उर्दू निदेशालय, बिहार, पटना के निर्देशानुसार जिला स्तरीय उर्दू भाषी छात्र-छात्रा प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन जिला प्रशासन, सहरसा द्वारा प्रेक्षागृह, सहरसा में किया गया। कार्यक्रम में जिले भर के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त सह प्रभारी जिला पदाधिकारी श्री गौरव कुमार, सहायक समाहर्ता श्री केतन शुक्ला, वरीय कोषागार पदाधिकारी सह प्रभारी पदाधिकारी जिला उर्दू भाषा कोषांग श्री मुराद अली, पूर्व विधायक श्री जफर आलम (सिमरी बख्तियारपुर), प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अबुल कलाम एवं प्रोफेसर मोहम्मद ताहिर सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जामिया दारे खदीजा लिलबनात की छात्राओं ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। साथ ही "जिला उर्दू नामा, सहरसा" का विधिवत विमोचन भी किया

गया। अध्यक्षीय संबोधन में उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार ने उर्दू भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उर्दू भाषा दिलों को जोड़ने वाली और सामाजिक-सांस्कृतिक समरसता को बढ़ावा देने वाली भाषा है। उन्होंने छात्रों को प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सहायक समाहर्ता श्री केतन शुक्ला ने भी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों की प्रतिभा को निखारने का मंच प्रदान करते हैं और सभी को इसमें सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। पूर्व विधायक श्री जफर आलम ने अपने संबोधन में उर्दू भाषा के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वर्ष 1981 में उर्दू को बिहार में दूसरी राजकीय भाषा का दर्जा मिला। उन्होंने उर्दू के विकास में पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की भूमिका की सराहना की। प्रोफेसर मोहम्मद ताहिर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उर्दू के विकास के लिए निरंतर प्रयास हो रहे हैं, लेकिन विद्यालयों में उर्दू में प्रश्नपत्र उपलब्ध नहीं कराए जाने की समस्या पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

बिहार में सीओ और राजस्व कर्मियों की हड़ताल खत्म

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में करीब एक महीने से जारी राजस्व अधिकारियों और कर्मियों की हड़ताल अब समाप्त हो गई है। सामूहिक हड़ताल को खत्म करने का ऐलान संघ के प्रतिनिधियों ने किया है। यह निर्णय विभाग के सचिव जय सिंह के साथ हुई वार्ता के बाद लिया गया। दोनों कर्मचारी संघों के प्रतिनिधियों ने बताया कि सरकार के साथ सकारात्मक बातचीत हुई है, जिसके बाद उन्होंने काम पर लौटने का फैसला लिया है।

अधिकारियों ने कहा कि सरकार ने उनकी मांगों पर विचार करने का भरोसा दिया है, जिसके आधार पर यह कदम उठाया गया। संघ की ओर से स्पष्ट किया गया है कि सभी अंचल और राजस्व कर्मी अगले 24 घंटे के अंदर अपने-अपने कार्यस्थलों पर वापस लौट जाएंगे।

इससे लंबे समय से बाधित राजस्व कार्यों के फिर से पटरी पर आने की उम्मीद है।

एक महीने से ठप था राजस्व कार्य: गौरतलब है कि पिछले एक महीने से राज्य भर में CO और अन्य राजस्व कर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर थे। इस दौरान जमीन से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य जैसे दाखिल-खारिज, म्यूटेशन, प्रमाण पत्र जारी करना पूरी तरह प्रभावित रहे। हड़ताल के चलते राजस्व कार्य बाधित होने पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया था।

तेजप्रताप बोले- कंगना रनौत के चक्कर में पड़े हैं चिराग

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार की राजनीति में अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले तेजप्रताप यादव ने चिराग पासवान को लेकर बड़ा बयान दिया है। इस बार तेजप्रताप के निशाने पर चिराग का कोई नीतिगत मुद्दा नहीं, बल्कि केंद्रीय मंत्री की निजी जिंदगी है। हाल ही में एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में तेजप्रताप ने बॉलीवुड अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत के साथ उनकी कथित नजदीकियों का जिक्र किया है। उन्हें कहा कि चिराग पासवान एक्ट्रेस के चक्कर में पड़े हैं। वहीं कंगना रनौत कह चुकी हैं कि दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। अगर चिराग से रोमांस होता तो दोनों के बच्चे हो चुके रहते। JJD नेता तेज प्रताप यादव ने चिराग पासवान पर तंज कसते हुए कहा, 'चिराग पासवान इन दिनों किसी 'हिरोइन के चक्कर' में हैं। शुरुआत में उन्होंने नाम लेने

एक्ट्रेस बोलीं- अगर रोमांस होता तो हमारे बच्चे होते, वे सिर्फ मेरे दोस्त हैं

से परहेज किया, लेकिन जब उनसे स्पष्ट तौर पर पूछा गया कि वह किस अभिनेत्री की बात कर रहे हैं तो उन्होंने बंगाल चुनाव प्रचार का हवाला देते हुए सीधा कंगना रनौत का नाम लिया। तेज प्रताप ने अपने बयान को पुख्ता करने की कोशिश करते हुए कहा, 'चिराग और कंगना अक्सर साथ देखे जा रहे हैं। चाहे सदन हो या सड़क, चिराग पासवान अक्सर उन्हीं के साथ नजर आते हैं।'

पीएमसीएच होगा पूरी तरह पेपरलेस, मरीजों को मिलेगी डिजिटल सुविधा, मई महीने से फ्री वाई-फाई सुविधा

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) अब पूरी तरह डिजिटल होने जा रहा है। मरीजों को बेहतर सुविधाएं देन के उद्देश्य से अस्पताल को हाईटेक बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में मई के दूसरे सप्ताह से PMCH के नए भवन परिसर में वाई-फाई सुविधा शुरू की जाएगी। आगे अस्पताल की पूरे सिस्टम को पेपरलेस बनाने की दिशा में भी कदम उठाए जाएंगे।

BSNL बिछा रही लीज लाइन, 40 लाख लागत: अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, राज्य सरकार ने इस परियोजना को मंजूरी दे दी है। भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) द्वारा लीज लाइन बिछाने का कार्य शुरू हो चुका है। इसमें करीब 40 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

कनेक्टिविटी की समस्या से मिलेगा छुटकारा: PMCH के नए भवन परिसर में

इंटरनेट नेटवर्क की समस्या लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रही है। मरीजों, डॉक्टरों और कर्मचारियों सभी को कनेक्टिविटी में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। वाई-फाई सुविधा शुरू होने से इस समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।

हर फ्लोर पर मिलेगा फास्ट इंटरनेट: वाई-फाई सुविधा के बाद अस्पताल के हर फ्लोर पर फास्ट इंटरनेट नेटवर्क उपलब्ध होगा। इससे मरीजों के साथ-साथ डॉक्टरों और स्टाफ के लिए भी कार्य प्रक्रिया आसान और तेज हो

लंबी लाइनों से मिलेगी राहत

जाएगी। ऑनलाइन रिपोर्ट देखने, मरीजों का डेटा अपडेट करने और अन्य डिजिटल सेवाओं का उपयोग अब बिना किसी रुकावट के संभव होगा।

पेपरलेस सिस्टम की ओर बढ़ेगा अस्पताल: अस्पताल प्रशासन का लक्ष्य सिर्फ वाई-फाई सुविधा देना नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को डिजिटल बनाना है। आने वाले समय में सभी विभागों को आपस में जोड़ा जाएगा, जिससे मरीजों का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा। मरीजों की फाइलें, जांच रिपोर्ट, दवाओं का विवरण और इलाज से जुड़ी सभी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होगी। इस पहल के बाद कागजी कार्यवाही पर निर्भरता कम होगी और PMCH पूरी तरह पेपरलेस सिस्टम की ओर अग्रसर होगा, जिससे इलाज की प्रक्रिया और भी सुगम होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न, अजय सिंह राहुल ने संगठन की मजबूती पर दिया जोर

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी सीधी की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को जवाहर कांग्रेस भवन में पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल मुख्य आतिथ्य जिला संगठन प्रभारी दिलीप मिश्रा के विशिष्ट अतिथि एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस अवसर पर चुरहट विधानसभा प्रभारी शिवप्रसाद प्रधान, सीधी विधानसभा प्रभारी विनोद शर्मा एवं धौहनी विधानसभा प्रभारी अशोक पैगाम सहित कांग्रेस समन्वय समिति के सदस्य रुद्रप्रताप सिंह, काजल वर्मा, दानबहादुर सिंह,राजेंद्र सिंह भदौरिया,ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री, कमलेश सिंह, करुण सिंह, सौरभ सिंह, राजबहोर जायसवाल, अरविंद सिंह, मनोज कोल, नागेश्वर साकेत सहित जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधि, किसान कांग्रेस के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष एवं मंडलम अध्यक्षों की सक्रिय भागीदारी रही। बैठक के मुख्य अतिथि अजय सिंह राहुल ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि एकजुटता और समर्पण से ही आगामी राजनीतिक चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि जिला संगठन प्रभारी दिलीप मिश्रा ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए अनुशासन और नियमित संवाद बेहद आवश्यक है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने कहा कि जिले में कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता से संगठन नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने, कार्यकर्ताओं की भूमिका को मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा एवं सार्थक विचार-विमर्श करते हुए संगठन विस्तार एवं जनसंपर्क अभियान को गति देने का निर्णय लिया गया।

जनगणना के लिए तैयार है सीधी, 1 मई से शुरू होगा मकानों का सूचीकरण

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी । जिले में आगामी जनगणना के प्रथम चरण के तहत 1 मई से 30 मई तक मकानों के सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। इस अवधि में प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी संकलित करेंगे। जनगणना कार्य के सुचारू संचालन के लिए जिले में कुल 2244 गणना ब्लॉक बनाए गए हैं। इसके लिए 2006 प्रगणकों की नियुक्ति की गई है, जबकि 207 प्रगणकों को रिजर्व में रखा गया है। इसके अलावा 334 सुपरवाइजर एवं 44 रिजर्व सुपरवाइजर भी तैनात किए गए हैं। जनगणना की तैयारी को लेकर सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही जिले में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर नागरिकों को जनगणना के महत्व और प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्रगणकों को सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग करें।

स्काउट-गाइड निभाएंगे अहम भूमिका, कलेक्टर ने किया प्रेरित-जनगणना अभियान में स्काउट एवं गाइड के छात्र-छात्राएं वालेंटियर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्काउट छात्रों से मुलाकात कर उन्हें इस अभियान में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि छात्र इस पूरी प्रक्रिया को नजदीक से देखें और समझें, साथ ही अपने क्षेत्र में प्रगणकों और नागरिकों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करें। विशेष रूप से उन घरों में, जहां केवल महिलाएं, बुजुर्ग या कम शिक्षित लोग रहते हैं, वहां उन्हें जानकारी देने एवं सहयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। चर्चा के दौरान अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय तथा नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला भी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से जनगणना कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए इसे विकास की आधारभूत प्रक्रिया बताया है।

रामपुरः मोती मस्जिद पर दुकान कब्जे का आरोप, पीड़ित शोएब खान ने विधायक आकाश सक्सेना से लगाई गुहार

लोकतंत्र की शान ,मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित मोती मस्जिद परिसर में बनी एक दुकान को लेकर विवाद सामने आया है। पीड़ित दुकानदार शोएब खान ने आरोप लगाया है कि वह कई वर्षों से उक्त दुकान पर काम करके अपने परिवार और बच्चों की रोजी-रोटी चला रहा था, लेकिन अब मोती मस्जिद के मौलवी साहब द्वारा दुकान का ताला तोड़कर कब्जा कर लिया गया है। पीड़ित शोएब खान ने बताया कि दुकान ही उसकी आय का एकमात्र साधन थी, जिससे वह अपने घर का खर्च और बच्चों का पालन-पोषण करता था। आरोप है कि अचानक दुकान पर कब्जा होने से उसका परिवार आर्थिक संकट में आ गया है और वह काफी परेशान है। इस मामले को लेकर शोएब खान ने रामपुर शहर विधायक आकाश सक्सेना से मुलाकात की और अपनी पूरी पीड़ा बताते हुए प्रार्थना पत्र सौंपा। प्रार्थना पत्र में शोएब खान ने मांग की है कि उसकी दुकान को खाली कराकर उसे वापस दिलाया जाए, ताकि वह फिर से अपना रोजगार शुरू कर सके। पीड़ित ने प्रशासन से भी न्याय की मांग करते हुए कहा कि वह वर्षों से दुकान पर मेहनत कर रहा था और अब बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के दुकान पर कब्जा कर लिया गया, जो पूरी तरह गलत है। वहीं विधायक आकाश सक्सेना ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब पीड़ित को उम्मीद है कि प्रशासन इस मामले में निष्पक्ष जांच कर उसे न्याय दिलाएगा। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है और स्थानीय लोगों में भी इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

प्रदीप वेलफेयर फाउंडेशन की बैठक आयोजित

» समाज उत्थान हेतु सेवा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण पर जोर

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। प्रदीप वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा समाज हित, जनजागरूकता एवं संगठनात्मक सशक्तिकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के अध्यक्ष, सचिव सहित प्रमुख पदाधिकारियों एवं सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में संस्था के आगामी सामाजिक कार्यक्रमों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण तथा समाज उत्थान के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अनेन्द्र मिश्रा राजन ने कहा कि प्रदीप वेलफेयर फाउंडेशन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि समाज सेवा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि संस्था का मूल उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक शिक्षा, सहयोग, जागरूकता और सम्मान पहुँचाना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करने का आह्वान किया। वही संस्था के सचिव प्रदीप सिंह ने कहा कि संगठन का लक्ष्य सामाजिक विकास को जनआंदोलन बनाना है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल जागरूकता, महिला सशक्तिकरण एवं युवाओं की भागीदारी को संस्था की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि प्रदीप वेलफेयर फाउंडेशन निरंतर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सकारात्मक परिवर्तन पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में उपाध्यक्ष सुखनंदन सोनी ने संगठनात्मक मजबूती एवं सामाजिक सहभागिता पर अपने विचार रखे। सदस्य प्रकाश सिंह गहरवार ने सामाजिक एकता और सक्रिय जनसहयोग को संस्था की शक्ति बताया। कोषाध्यक्ष रघुनंदन पटेल ने संस्था के सुव्यवस्थित संचालन, पारदर्शिता एवं सामाजिक दायित्वों को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। बैठक में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संस्था के उद्देश्यों को और व्यापक स्तर पर जनहित में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बैठक में प्रमुख रूप से यह रहे उपस्थित

प्रदीप वेलफेयर फाउंडेशन की उक्त बैठक में प्रमुख रूप से संस्था के अध्यक्ष अनेन्द्र मिश्रा राजन, सचिव प्रदीप सिंह, उपाध्यक्ष सुखनंदन सोनी, कोषाध्यक्ष रघुनंदन पटेल, सदस्य प्रकाश सिंह गहरवार, विनोद त्रिपाठी, मनोज पटेल एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक का समापन हमारा संकल्प सेवा, समर्पण और समाज उत्थान के सामूहिक संदेश के साथ हुआ।

भीषण गर्मी में राहतः कलेक्ट्रेट परिसर में शीतल पेय, पेयजल और ओआरएस की विशेष व्यवस्था

लोकतंत्र की शान

(बरेली संदीप चंद्र उत्तर प्रदेश) आज कलेक्ट्रेट परिसर में भीषण गर्मी के दृष्टिगत जनता दर्शन में आने वाले आमजन के लिए शीतल पेय पदार्थ, शुद्ध पेयजल एवं ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है। जनता दर्शन में उपस्थित नागरिकों के लिए शीतल पेय एवं पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता के साथ-साथ ओआरएस की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, जिससे गर्मी के कारण होने वाली डिहाइड्रेशन एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से प्रभावी बचाव किया जा सके। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे उक्त व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें तथा यह ध्यान रखें कि परिसर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक सुविधाएं सहज एवं सुचारु रूप से उपलब्ध हों। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि भीषण गर्मी के दौरान आवश्यक सावधानियां अपनाएं, पर्याप्त मात्रा में जल का सेवन करें तथा अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचें।

बस और पिकअप की भिडंत, युवक का हांथ अलग

» अस्पताल में डॉक्टरों के गायब रहने से परिजनों ने किया हंगामा

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के रामपुर नैकिन थानांतर्गत यूनियन बैंक के समीप बुधवार रात करीब 10 बजे अनियंत्रित बस और पिकअप के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में 22 वर्षीय शीतल केवट पिता सहदेव केवट का एक हांथ कटकर पूरी तरह से अलग हो गया, जिससे उसकी स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद लोगों ने काफी मशक्कत कर एंबूलेंश बुलाया और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टर और नर्स गायब थे। केवल एक ड्रेरसर मौजूद था। डॉक्टर के गायब रहने से घायल का प्राथमिक उपचार में भी विलंब होता देखकर परिजन हंगामा करने लगे। बाद में पुलिस की मौजूदगी में ड्रेरसर द्वारा प्राथमिक उपचार करते हुए घायल को रीवा अस्पताल रेफर कराने की कार्रवाई की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महामाया बस सर्विस क्रमांक एमपी 17 पी 1851 का चालक अत्यधिक नशे की हालत में था, जिसने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए पिकअप को टक्कर मार दी। स्थानीय नागरिकों के सहयोग से घायल को तत्काल रामपुर नैकिन अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में दिखी व्यापक मनमानी

अस्पताल में गंभीर घायल को पहुचाने पर आपातकालीन स्थिति होने के बावजूद कोई भी डॉक्टर ड्यूटी पर मौजूद नहीं था। पूरा अस्पताल केवल एक ड्रेसर के भरोसे संचालित हो रहा था। इलाज में हुई करीब एक घंटे की देरी और अव्यवस्था को लेकर आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर विरोध-प्रदर्शन और हंगामा किया।

प्रशासनिक हस्तक्षेप और रेफर

हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन की ओर से महेंद्र विश्वकर्मा मौके पर पहुँचे। उनके हस्तक्षेप और सक्रियता के बाद एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। गंभीर रूप से घायल शीतल केवट को प्राथमिक उपचार के अभाव में ही बेहतर इलाज के लिए रीवा रेफर कर दिया गया है। फिलहाल युवक की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

विद्यार्थी डिस्टिब्यूटर के पास ही मिलती है गणेश की बुक

» विद्यालय प्रबंधन एवं बुक सेंटर संचालक की सांठगांठ

» अभिभावकों से की जा रही मनमानी उगाही

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम कसते हुए कलेक्टर विकास मिश्रा ने अभिभावकों को बड़ी राहत प्रदान की थी। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों में कहा गया था कि अब कोई भी निजी विद्यालय विद्यार्थियों या उनके अभिभावकों को किसी निर्धारित दुकान से किताबें, यूनिफॉर्म या अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेगा। किन्तु सीधी में कलेक्टर का यह आदेश प्रभाव शील नहीं है। अब भी कई निजी विद्यालय संचालकों द्वारा अभिभावकों को महंगी किताबें, अनावश्यक कॉपियां एवं पूरा सेट खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। खासतौर से गणेश की बुक खास डिस्टिब्यूटर के पास ही मिलती है। नए निर्देशों के माध्यम से इस प्रकार की मनमानी पर रोक लगाने का प्रयास नाकाम नजर आ रहा है।

तय दुकानों की अनिवार्यता पर्दे के पीछे से

जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया था कि कोई भी स्कूल यह नहीं बताएगा कि किताबें, कॉपियां या यूनिफॉर्म केवल किसी विशेष दुकान या विक्रेता से ही खरीदी जाएं। अभिभावक अपनी सुविधा एवं उचित मूल्य के अनुसार किसी भी विक्रेता से सामग्री खरीद सकेंगे। साथ ही किसी भी निजी प्रकाशक या विक्रेता को स्कूल परिसर में किताबों के प्रचार-प्रसार या बिक्री की अनुमति नहीं होगी। सीधी में यह आदेश कुछ बड़े विद्यालयों में लागू नहीं है।

फीस वृद्धि पर नियंत्रण औपचारिक

आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए फीस वृद्धि को लेकर भी स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। 10 प्रतिशत तक की वृद्धि स्कूल स्वयं कर सकेंगे। 10 से 15 प्रतिशत तक वृद्धि के लिए जिला स्तरीय समिति की अनुमति आवश्यक होगी। 15 प्रतिशत से अधिक वृद्धि के लिए राज्य स्तरीय समिति की स्वीकृति अनिवार्य होगी।यह आदेश भी कई स्कूलों में औपचारिक बताया गया है।

ट्रॉली पर चढ़कर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने किसानों से जाना हाल, दिए दिशा-निर्देश

» उपार्जन केंद्र की व्यवस्था देखने शाजापुर-खरगोन पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

» किसानों से आत्मीय संवाद कर जाना कैसी मिल रहीं सुविधाएं

» अन्नदाता को पसंद आया प्रदेश के मुखिया का किसान रूप

» अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

भोपाल/शाजापुर/खरगोन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 30 अप्रैल को अनोखा अंदाज दिखाई दिया। उन्होंने आज शाजापुर-खरगोन के उपार्जन केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। वे शाजापुर जिले के मकोड़ी स्थित श्यामा वेयर हाउस पहुंचे। उन्होंने यहां बाकायदा ट्रॉली पर चढ़कर किसानों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने गेहूं का वजन भी तुलवाकर देखा। उनके इस अंदाज की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

किसानों से आत्मीय संवाद कर जाना कैसी मिल रहीं सुविधाएं-अन्नदाता को पसंद आया प्रदेश के मुखिया का किसान रूप* *अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश*शाजापुर से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सुबह अचानक खरगोन जिले के कतरगांव में बनाए गए उपार्जन केंद्र के निरीक्षण लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उपार्जन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहां किसानों से चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने केंद्र से संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बता दें, मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के लिए उपार्जन केंद्रों पर छाया, बैठक और कई अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की है। अब किसान जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय कर सकते हैं। इतना ही नहीं, किसानों को गेहूं की तौल के लिए इंतजार नहीं करना पड़े इसके लिए उपार्जन केन्द्रों में तौल कांटों की संख्या बढ़ाकर 6 कर दी गई है। सरकार जिलों में और भी तौल कांटे बढ़ा रही है।

उचित व्यवस्था के दिए निर्देश-मुख्यमंत्री ने खरगोन में कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपार्जन-खरीदी केंद्रों पर पूरे 6 तौल कांटे लगाए जाएं। गेहूं खरीदी के आज से नए मापदंड जारी हुए है वह लागू हो जाएं। किसानों के लिए उपार्जन-खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त छाया और शीतल पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर अन्नदाता को सम्मान और सुविधा के साथ उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित निराकरण किया जाए। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके इसके लिए पर्याप्त संख्या में बारदाने, तौल कांटे, सिलाई मशीन, स्लॉट बुकिंग हेतु कंप्यूटर, नेट कनेक्शन, कंप्यूटर ऑपरेटर, आदि व्यवस्थाएं उपार्जन केन्द्र पर हमेशा उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि सभी केंद्र के सभी 6 तौल कांटों पर निरंतर तुलाई कार्य चलता रहे। उन्होंने केंद्र पर कृषकों की सुविधा के लिए पेयजल, टेंट, बैठक, इत्यादि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ के हज यात्रियों का सेंट्रल तंजीम कमेटी द्वारा स्वागत

लोकतंत्र की शान जिला ब्यूरो चीफ हसन रसीद जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

नागपुर सेंट्रल तंजीम कमेटी के अध्यक्ष हाजी अब्दुल कादिर द्वारा हज यात्रियों का मोहम्मद अली सराय में जोरदार स्वागत हुआ स्वागत से पूर्व उन्हें प्रशिक्षण दिया गया इस समारोह में 30 से 40 हज यात्री उपस्थित हुए मोहम्मद अली सराय में सारा इंतजाम निशुल्क रखा गया था और किसी प्रकार कि कोई तकलीफ नहीं थी।सेंट्रल तंजीम कमेटी के सचिव हाजी मोहम्मद कलाम ने जानकारी में बताया कि यहां मोहम्मद अली सराय में यह सेवा 6 मई तक है। आगे जानकारी में कमेटी के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद कादिर ने बताया कि हमारे कमेटी द्वारा हज यात्रियों के रिस्तेदारो का पिछले 26सालो से नि शुल्क खिदमत करते आ रही है सेंट्रल तंजीम कमेटी द्वारा के सचिव हाजी मोहम्मद कलाम, के अलावा कमेटी के सभी सदस्यों के द्वारा हर हज यात्रियों का खिदमत तहे दिल से करते आ रही है। कमेटी के अजीज खान शफी खान नियाज अहमद अमजद खान मुस्तफा असफाक पटेल इतायादि सदस्य गण उपस्थित थे।

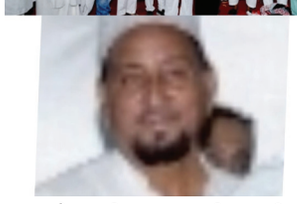

भू-माफियाओं की चांदी-कटनी में चारों तरफ अवैध प्लॉटिंग हो रहा है प्रशासन मौन

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः जिले में भू-माफियाओं का नेटवर्क एक बार फिर बेखौफ सक्रिय नजर आ रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कृषि भूमि पर धड़ल्ले से अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं, प्राकृतिक नालों को पाटकर प्लॉट बेचे जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग कार्रवाई के बजाय मूकदर्शक बने हुए हैं। सवाल उठ रहा है—आखिर किसके संरक्षण में चल रहा है यह करोड़ों का काला कारोबार?सूत्रों के मुताबिक कटनी-जबलपुर हाईवे स्थित कैलवारा खुर्द मे एचपी पेट्रोल पंप के सामने 4एकड़ मे नाला पाटकर अवैध प्लॉटिंग, अहमदनगर के पीछे 14 एकड़ में कच्ची सडक डालकर प्लॉटिंग , माधवनगर नमक गोदाम के पीछे अवैध प्लॉटिंग , तिलक कॉलेज रोड पर बड़े पेड़ो को वन विभाग से सांठ गाँठ कर बिना अनुमति काटकर प्लॉटिंग , दुबे कॉलोनी, रपटा पेट्रोल पंप क्षेत्र इसके अलावा लोकमान्य तिलक वार्ड क्षेत्र में खुलेआम अवैध प्लाटिंग शासकीय भूमि पर कुछ बिगड़ परमिशन के बगैर कॉलोनाइजर के पास हो रहा है और निमिया मोहल्ला मे अवैध प्लॉटिंग समेत कई जगह भू-माफियाओं ने अवैध प्लॉटिंग का जाल बिछा दिया है। यहां बिना टाउन एंड कंट्री प्लानिंग अनुमति, बिना रेरा अप्रूवल, बिना डायवर्शन और बिना वैध कॉलोनी विकास प्रक्रिया के खुलेआम प्लॉट बेचे जा रहे हैं।हैरानी की बात यह है कि जिन मामलों में कॉलोनाइजरों और जिम्मेदार अधिकारियों पर एफआईआर तक के प्रावधान हैं, उन्हीं नियमों को कटनी में खुली चुनौती दी जा रही है। आरोप है कि वनभूमि पर पेड़ कटवाकर, नालों को पाटकर और कृषि भूमि को अवैध कॉलोनियों में बदलकर भू-माफिया करोड़ों कमा रहे हैं, जबकि प्रशासनिक कार्रवाई शून्य बनी हुई है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भू-माफिया भोले-भाले लोगों को वैध प्लॉटिंग के नाम पर गुमराह कर रहे हैं। ऐसे प्लॉट खरीदने वाले लोगों को भविष्य में सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना पड़ सकता है, लेकिन जिम्मेदार विभागों को इससे कोई सरोकार नहीं दिख रहा।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार अवैध प्लॉटिंग पर सख्ती के दावे कर रही है, तो कटनी में भू-माफियाओं के हौसले बुलंद क्यों हैं? क्या प्रशासन ने भू-माफियाओं के सामने घुटने टेक दिए हैं, या इस पूरे खेल को अंदरखाने संरक्षण प्राप्त है?कटनी में फैलते इस अवैध प्लॉटिंग सिंडिकेट ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब जनता पूछ रही है—क्या भू-माफियाओं पर कार्रवाई होगी, या कटनी यूं ही अवैध कॉलोनियों की मंडी बनती रहेगी? कटनी के जबलपुर कटनी नेशनल हाईवे रोड पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के पीछे बड़ी मात्रा मे भू माफिया कर रहे अवैध प्लॉटिंग खेल प्राकृतिक नाला पाटकर भू माफिया दे रहे अवैध प्लॉटिंग को अंजाम वहीं दूसरी ओर कटनी जबलपुर हाईवे रोड पर एच पी पेट्रोल पंप के ठीक सामने 4एकड़ मे कच्ची सडक डालकर भू माफिया काट रहे अवैध प्लॉटिंग स्थानीय लोगो का आरोप है की जिले भर मे धड़ल्ले से चल रही अवैध प्लॉटिंग पर कार्यवाही करने जिला प्रशासन पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा कटनी बना अवैध प्लॉटिंग के मामले मे भू माफियाओ का गढ़ जनता का आरोप है की जिला प्रशासन लगातार अवैध प्लॉटिंग पर कार्यवाही का दाबा कर रहा है तो फिर नगर निगम सीमा और ग्रामीण क्षेत्रों मे बड़ी भारी मात्रा मे अवैध प्लॉटिंग पर शिकांजा क्यों नहीं कस पा रहा है आखिर कैसे बन गई इतनी अवैध कॉलोनी किसके संरक्षण मे काटे जा रहे अवैध प्लॉट कौन है इसका जिम्मेदार आखिर क्यों नहीं हुई अब तक इन अवैध प्लॉटिंग पर कार्यवाही क्या प्रशासन अब इन भू माफियाओ के आगे नतमस्तक होने को मजबूर हो गया नियम अनुसार कॉलोनाइजर के तहत प्राइवेट कॉलोनी वह तो शासन का राजस्व की बढ़ोतरी होती है लेकिन यहां पर अलग ही माजरा है इनका कहना है समझने वाली बात है शासन का राजस्व की क्षति हो रही है और अवैध प्लाटिंग धड़ल्ले से किया जा रहा है रोकने की आवश्यकता है शासन के नियम अनुसार प्लाटिंग और कॉलोनाइजर के तहत नियम अनुसार की जाती है तो बैध कॉलोनी में गिनी जाएगी

संक्षिप्त समाचार

टर्किश एयरलाइंस 01 मई से दमिश्क, बेरूत और अम्मान के लिए उड़ानें बहाल करेगी

इस्तांबुल। टर्किश एयरलाइंस ने घोषणा की है कि वह एक मई से पश्चिम एशिया के तीन प्रमुख शहरों दमिश्क, बेरूत और अम्मान के लिए अपनी उड़ान सेवाएं फिर से शुरू करेगी। एयरलाइन के अनुसार, इन रूट्स पर उड़ानें 28 फरवरी से निलंबित थीं। उस समय क्षेत्र में बढ़े तनाव, विशेष रूप से ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद कई देशों के हवाई क्षेत्र प्रभावित हो गए थे, जिसके चलते उड़ानों को रोकना पड़ा था। अब क्षेत्र में स्थिति कुछ हद तक सामान्य होने के संकेत मिलने के बाद एयरलाइन ने इन महत्वपूर्ण मार्गों पर सेवाएं बहाल करने का फैसला लिया है। यह कदम यात्रियों और व्यापारिक गतिविधियों के लिए राहत भरा माना जा रहा है, क्योंकि ये तीनों शहर क्षेत्रीय संपर्क के लिहाज से बेहद अहम हैं। उड़ानों की बहाली से न केवल हवाई यातायात में सुधार होगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। साथ ही उन यात्रियों को विशेष राहत मिलेगी, जो पिछले कुछ महीनों से इन रूट्स पर यात्रा के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं का सहारा ले रहे थे।

शिमला में भारी ओलावृष्टि, 3 इंच मोटी परत बिछी, सेब तबाह, 3 जिलों को चेतावनी

शिमला। हिमाचल में शिमला जिला के कई क्षेत्रों में आज (30 अप्रैल) भारी ओलावृष्टि व तेज बारिश हो रही है। दोपहर बाद एक से दो बजे के बीच कुफरी व ठियोग के आसपास के क्षेत्रों में जमकर ओले गिरे। पौने तीन बजे शिमला में भी तेज बारिश के साथ हल्की ओलावृष्टि हुई। मौसम में बदलाव के बाद शिमला में दिन में ही अंधेरा सा छा गया। कुफरी में ओलावृष्टि की जमीन पर 3 इंच मोटी परत बिछ गई। इससे सड़कों पर फिसलन बढ़ गई। ओला गिरने से सेब के साथ-साथ फूलगोभी और मटर की फसल तबाह हो गई है। बारिश और ओलावृष्टि से तापमान में भारी गिरावट आई है। मौसम विभाग ने अगले तीन घंटे तक शिमला, सोलन और सिरमौर जिला में तेज बारिश के साथ-साथ तूफान और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जिला के लिए यलो अलर्ट की चेतावनी दी गई है। शिमला के साथ-साथ मनाली और मंडी में भी मौसम खराब बना हुआ है, जबकि हमीरपुर के सुजानपुर में धूप खिली हुई है। मौसम विभाग के अनुसार- राज्य में अगले 6 दिन भी रुक-रुक कर बारिश जारी रहेगी। इस दौरान ओलावृष्टि के साथ साथ 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तूफान चलने का पूर्वानुमान है। खासकर तीन और चार मई को पूरे राज्य में तेज बारिश होने के आसार हैं। तीन मई को किन्नौर और लाहौल स्पीति को छोड़कर अन्य सभी जिलों में तूफान व तेज बारिश का येलो अलर्ट दिया गया है। प्रदेश में बीते अप्रैल माह के दौरान भी सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। IMD के मुताबिक- एक से 29 अप्रैल तक बिलासपुर जिला में सामान्य की तुलना में 198 फीसदी अधिक बारिश हुई। सोलन में 171 फीसदी, शिमला 72, सिरमौर 86, कांगड़ा 58, हमीरपुर 87, मंडी में 72 और ऊना जिला में नॉर्मल से 71 फीसदी अधिक बादल बरसे। चंबा, कुल्लू, लाहौल स्पीति और किन्नौर जिला में में सामान्य से कम बारिश हुई है। बीते 24 घंटे (29 अप्रैल) के दौरान भी छह जिले (शिमला, सोलन, सिरमौर, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी) में बारिश हुई। इससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसके बाद मैदानी इलाकों की जनता ने भीषण गर्मी से राहत की सांस ली है।

युवा कांग्रेस को 8 दिन में मिले 7 करोड़ रुपए

अलवर। राजस्थान में 8 दिन में युवा कांग्रेस के 9 करोड़ से ज्यादा मेंबर बन चुके हैं। मेंबरशिप की फीस से करीब 7 करोड़ रुपए मिले हैं। दूसरी ओर, पिछले एक साल में कांग्रेस पार्टी को पूरे राजस्थान से केवल 25 करोड़ रुपए का चंदा मिला था। युवा कांग्रेस के चुनाव के लिए हर बार पार्टी का सदस्य बनना पड़ता है। हर सदस्य के लिए इस बार 75 रुपए शुल्क जमा कराना अनिवार्य है, तभी वह वोटिंग कर सकता है। राजस्थान में युवा कांग्रेस चुनाव के लिए 21 अप्रैल से सदस्यता अभियान और वोटिंग शुरू हुई है। वोटिंग प्रक्रिया 20 मई तक चलेगी। जानकारी के अनुसार- चुनाव में रोजाना करीब सवा लाख वोट पड़ रहे हैं। प्रदेश में करीब 7 हजार से ज्यादा युवा अलग-अलग पदों के लिए चुनाव मैदान में हैं। ये सब अपने पक्ष में वोटिंग कराने के लिए सदस्यता अभियान में जुटे हैं। एक वोटर प्रदेशाध्यक्ष, महासचिव, जिलाध्यक्ष, जिला महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष के लिए वोट कर रहा है। कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के खेमे के युवा चेहरे प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए मैदान में हैं। इस कारण बड़े नेताओं के भी खास कार्यकर्ता भी ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनवाने में लगे हैं। इसमें मुख्य रूप से प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए अभिषेक चौधरी को पूर्व सीएम अशोक गहलोत और प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा गुट से माना जा रहा है। वहीं अनिल चौपड़ा को सचिन पायलट गुट का प्रत्याशी माना जा रहा है।

हिमाचल में यूपी के टूरिस्ट व्हीकल का 3500 का चालान

मनाली। हिमाचल प्रदेश में एक टूरिस्ट को यातायात नियमों की अनदेखी महंगी पड़ी है। मनाली पुलिस ने अटल टनल के भीतर ओवर-स्पीडिंग का 3500 रुपए का चालान काटा है। उत्तर प्रदेश नंबर की एक कार रोंग साइड से ओवर टेक कर रही थी। इसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने चालान काटा है। अटल टनल के भीतर ओवर टेकिंग अलाउड नहीं है। फिर भी उतर प्रदेश के पर्यटक ने दूसरी लेन से ओवर टेक किया। जिस गाड़ी का चालान हुआ है, वह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी अक्षय कुमार के नाम पर पंजीकृत है। गाड़ी का नंबर UP-81-DZ-6835 है। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने बताया कि टनल के अंदर वाहन रोकना, ओवरटेक करना, सनरूफ से बाहर निकलना और तय गति सीमा से तेज गाड़ी चलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। केडी शर्मा ने बताया कि अटल टनल के साउथ पोर्टल पर तैनात पुलिसकर्मी लगातार पर्यटकों को नियमों की जानकारी देते हैं। उन्होंने कहा कि टनल में सीसीटीवी कैमरे और गति सीमा दर्शाने वाले साइन बोर्ड भी लगाए गए हैं, इसके बावजूद कुछ पर्यटक नियमों की अनदेखी करते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी यातायात नियमों की अवहेलना करेगा, उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

कैलाश खेर ने किए बाबा केदार के दर्शन, धाम में गाया 'जय जय केदारा' गीत

देहरादून। प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने गुरुवार को केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन कर वहां विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने यात्रा के लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। कैलाश खेर ने धाम में अपना लोकप्रिय भक्ति गीत 'जय जय केदारा' प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भी भावविभोर हो गए। देश के प्रख्यात गायक कैलाश खेर के मंदिर परिसर में पहुंचने पर जिला प्रशासन, केदार सभा के सदस्यों तथा मंदिर समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। खेर ने बाबा केदार के दर्शन कर विशेष पूजा अर्चना की। इस मौके पर खेर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में केदारनाथ धाम की व्यवस्थाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस, तीर्थ पुरोहितों, मंदिर समिति, केदार सभा से सदस्यों से मुलाकात कर यात्रा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। खेर ने यात्रा के लिए व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि इतनी अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के बावजूद व्यवस्था बनाए रखना प्रशंसनीय है। कैलाश खेर ने उच्च हिमालयी क्षेत्र की विषम परिस्थितियों के बीच भी श्रद्धालुओं की सुगम एवं सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन एवं पुलिस की तत्परता की सराहना की। उन्होंने जिलाधिकारी विशाल मिश्रा सहित जनपद की समस्त प्रशासनिक टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बाबा केदार की नगरी में पहुंचकर मन को अद्भुत शांति और ऊर्जा मिलती है। कैलाश खेर के धाम पहुंचने पर श्रद्धालु भी उत्साहित दिखे। कैलाश खेर ने अपना लोकप्रिय भक्ति गीत 'जय जय केदारा' प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया और श्रद्धालु को भी भावविभोर कर दिया।

वीआईपी कल्चर छोड़ आम जनता से जुड़ें संगठन के नेता : राहुल गांधी

तीन राज्यों के जिलाध्यक्षों को दिए संगठन को मजबूत बनाने के टिप्स

एजेंसी, धर्मशाला

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए वीआईपी संस्कृति छोड़कर आम जनता से सीधे संवाद करना होगा। उन्होंने कांग्रेस के जिलाध्यक्षों से जमीनी मुद्दों को प्राथमिकता देने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब मीडिया के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से दिया जाए। राहुल गांधी ने यह बात वीरवार को कांगड़ा में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू कश्मीर राज्यों के 80 कांग्रेस अध्यक्षों के ट्रेनिंग शिविर के समापन पर कही। उन्होंने इस दौरान जिलाध्यक्षों को पार्टी को मजबूत करने और आम लोगों से जुड़कर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने के टिप्स दिए। राहुल गांधी ने अपने साढ़े चार घंटे के ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत करने, मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने के भी टिप्स दिए।

ट्रेनिंग सेशन के बाद राहुल गांधी ने दोपहर बाद ट्रेनिंग शिविर में आए कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के साथ लंच किया और दोपहर सवा दो बजे वह कांगड़ा से वापस दिल्ली लौट गए। गौरतलब है कि कांग्रेस का संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत 10 दिवसीय ट्रेनिंग कैंप हिमाचल के कांगड़ा में रखा गया था। इसमें तीन प्रदेशों के 80 जिला अध्यक्षों को 10 दिन तक ट्रेनिंग दी गई। वीरवार को ट्रेनिंग कैंप खत्म हो गया है। इसी तरह के कैंप कांग्रेस दूसरे राज्यों में भी लगा चुकी है। इसका मकसद संगठन को मजबूत बनाना है।

उधर, इससे पूर्व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वीरवार सुबह करीब 8 बजे कांगड़ा एयरपोर्ट पर उतरे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से कांगड़ा के गुप्त गंगा पहुंचे, जहां पंजाब, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर राज्यों के कांग्रेस अध्यक्षों का ट्रेनिंग कैंप चल रहा था। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने एयरपोर्ट पर राहुल गांधी जा स्वागत किया और फिर राहुल गांधी के साथ ही गाड़ी में ट्रेनिंग शिविर स्थल गुप्त गंगा पंहुचे।

वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा इस शिविर को सम्बोधित करने से संगठन के पदाधिकारियों को एक नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने कहा कि देवभूमि हिमाचल के कांगड़ा में इस शिविर का आयोजन आने वाले समय में संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शिविर में मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग, जमीनी स्तर पर मतदाताओं से जुड़ने और विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब देने के टिप्स दिए हैं।

अमित शाह शुक्रवार को लद्दाख में डेयरी व सहकारी पहलों का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली

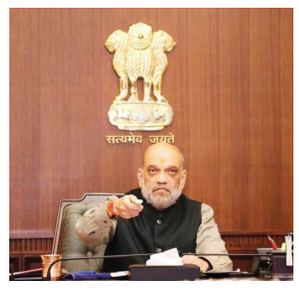

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को लद्दाख के लेह स्थित केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान (सीआईबीएस) में आयोजित कार्यक्रम में डेयरी एवं सहकारी क्षेत्र से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना उपस्थित रहेंगे।

सहकारित मंत्रालय के अनुसार कार्यक्रम के दौरान लद्दाख में डेयरी अवसंरचना को मजबूत करने के लिए कई अहम पहल की जाएंगी। कारगिल में 10 टन प्रतिदिन क्षमता वाले डेयरी प्लांट की आधारशिला रखी जाएगी, जबकि लेह में दही और पनीर उत्पादन इकाइयों का उद्घाटन किया जाएगा। साथ ही दूध के भंडारण और परिवहन को बेहतर बनाने के लिए बल्क मिल्क कूलर सिस्टम भी शुरू किया जाएगा।

सहकारी क्षेत्र में डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एंड्रॉयड आधारित ऑटोमेटेड मिल्क कलेक्शन सिस्टम (एएमसीएस) ऐप भी लॉन्च किया जाएगा, जिससे दूध खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और किसानों को भुगतान में सुविधा होगी।

इसके अलावा दूध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक मोबाइल दूध परीक्षण प्रयोगशाला को भी हरी झंडी दिखाई जाएगी। डेयरी उत्पादों के विपणन और वितरण को बढ़ाने के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे स्थानीय उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो सके।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के प्रगतिशील डेयरी किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा। यह पहल सहकार से समृद्धि के विजन को आगे बढ़ाने और दूरदराज क्षेत्रों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

भारत के नक्शे को गलत तरीके से दिखाने पर नेपाल एयरलाइंस ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के राष्ट्रीय ध्वजवाहक नेपाल वायु सेवा निगम द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक नक्शे में भारत के जम्मू-कश्मीर क्षेत्र को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाए जाने के बाद व्यापक आलोचना हुई है। एयरलाइन ने इस गलती को स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है और संबंधित नक्शे को सोशल मीडिया से हटा लिया है।

नेपाल एयरलाइंस ने कहा, "हम अपने सोशल मीडिया के माध्यम से हाल ही में साझा किए गए नेटवर्क नक्शे में हुई त्रुटि के लिए क्षमाप्रार्थी हैं। उस नक्शे में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से जुड़ी गंभीर मानचित्रण त्रुटियां थीं।" साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि यह नक्शा नेपाल या एयरलाइन की आधिकारिक धारणा को प्रतिबिंबित नहीं करता।

एयरलाइन ने बताया कि गलत नक्शे वाली पोस्ट हटा दी गई है और मामले की आंतरिक समीक्षा की जा रही है। एयरलाइंस ने कहा, "हम यह सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक जांच कर रहे हैं कि हमारी सामग्री उच्चतम सटीकता मानकों को पूरा करे। हम अपने पड़ोसी और मित्र देशों के साथ मजबूत संबंधों को अत्यंत महत्व देते हैं और इस पोस्ट से यदि किसी को असहजता या आपत्ति हुई है तो उसके लिए खेद व्यक्त करते हैं।"

इस नक्शे को लेकर भारत में व्यापक विरोध हुआ। भारतीय नागरिकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नेपाल एयरलाइंस और जम्मू-कश्मीर से जुड़े हैशटैग के साथ तीखी प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोगों ने एयरलाइन को भारत विरोधी तक करार दिया।

इजराइल ने फ्लोटिला समूह के राहत सामग्री लेकर गाजा जा रहे जहाजों को ग्रीस में रोका

एजेंसी, क्रीट (ग्रीस)

इजराइल के रक्षा बलों ने राहत सामग्री लेकर गाजा जा रहे जहाजों के एक बड़े बेड़े को यूनानी द्वीप क्रीट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आगे बढ़ने से रोक दिया है। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के दूत डैनी डैनन ने इसकी पुष्टि की है। डैनी डैनन ने एक्स पर कहा, " जहाजों के बेड़े में इजराइल के इलाके में पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, दूत डैनन ने कहा कि इजराइली सैनिकों ने पूरी दृढ़ता के साथ काम किया है। इस बीच फ्रीडम फ्लोटिला समूह (ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला) ने इजराइल की चेतावनी की रिकॉर्डिंग जारी की है। समूह का कहना है कि यह चेतावनी उनके गाजा जा रहे जहाजों के लिए जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि राहत सामग्री लेकर गाजा की ओर जाने की कोई भी और कोशिश आपकी सुरक्षा को खतरे में डाल देगी। इजराइली सेना के पास कानूनी समुद्री सुरक्षा नाकाबंदी को लागू करने के लिए सभी विकल्प मौजूद हैं।

चेतावनी में कहा गया है, "गाज़ा पट्टी की कानूनी समुद्री सुरक्षा नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिशें अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मानी जाएंगी। अगर आप मानवीय सहायता ले जा रहे हैं, तो आपको अशदोद बंदरगाह पर जाने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जहां सहायता की सुरक्षा जांच की जाएगी और उसके बाद उसे गाजा पट्टी भेज दिया जाएगा।"

इस संबंध में ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला के जनसंपर्क अधिकारी गुर त्सबार का कहना है कि गाजा जा रहे मानवीय सहायता वाले जहाजों के काफिले पर इजराइल का हमला अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत गैरकानूनी है। उन्होंने कहा, "यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आम नागरिकों पर सीधा हमला है। इजराइल से सैकड़ों मील दूर निहत्थे नागरिकों की नावों को घेरा जा रहा है और बंदूक के बल पर धमकाया जा रहा है। इस जलक्षेत्र में इजराइल का कोई अधिकार नहीं है। " त्सबार ने दुनिया भर की सरकारों से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने बेड़े में शामिल 400 से ज्यादा लोगों की सुरक्षा बेहद जरूरी है।

उल्लेखनीय है कि इजराइल की नाकाबंदी 2007 से जारी है। हालांकि 2008 के बाद दो नाव इजराइली नौसेना की नाकाबंदी को तोड़कर गाजा पहुंचने में सफल रही थीं, तब से सहायता ले जाने वाली कोई भी नाव गाजा नहीं पहुँच पाई है। 2010 में तो इजराइली कमांडो ने ऐसी कोशिश कर रहे तुर्किये के 10 मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी थी। सीबीएस न्यूज के अनुसार 2 मई, 2025 को इजराइल ने गाजा पट्टी जा रहे इस समूह के एक जहाज पर माल्टा के तट पर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आधी रात को ड्रोन से हमला किया था। ससे जहाज को बड़ी क्षति हुई थी।

मप्र का धार हादसा: तीन गांवों में हुआ 16 लोगों का अंतिम संस्कार, परिजनों को आर्थिक सहायता का ऐलान

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के धार जिले में में इंदौर अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार रात सड़क हादसे में जान गंवाने वाले 16 लोगों का गुरुवार को सुबह अलग-अलग श्मशाम घाटों पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। इनमें नौ मृतक नयापुरा, 5 सेमलीपुरा और दो रामपुरा के निवासी थे। हादसे के बाद से परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। तीनों गांवों में मातम छाया हुआ है।

धार जिले में इंदौर अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिकलिया फाटा के पास बुधवार रात मजदूरों से भरा एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन टायर फटने के कारण अनियंत्रित हो गया और तीन-चार पलटी खाते हुए डिवाइडर को पार कर स्कॉर्पियो से टकरा गया था। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें छह बच्चे भी शामिल हैं। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया है।

पुलिस के अनुसार, पिकअप वाहन में 46 मजदूर सवार थे। वाहन करीब 100 किलोमीटर की रफ्तार में था। इसी दौरान टायर फटने से यह हादसा हो गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर तत्काल राहत कार्य शुरू किया और दबे हुए लोगों को बाहर निकाला। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को धार के जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

इंदौर कमिश्नर सुदाम खाड़े ने बताया कि पिकअप वाहन में करीब 46 लोग सवार थे। घायलों के इलाज को लेकर प्रशासन ने व्यवस्था की है। गंभीर रूप से घायल सात लोगों को बेहतर इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है। करीब 15 घायलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में चल रहा है। वहीं, छह अन्य का उपचार निजी अस्पतालों में जारी है।

धार के पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने बताया कि पिकअप वाहन तेज रफ्तार में था। चालक के नियंत्रण छूटने से वाहन तीन-चार बार पलटा। इसी दौरान सड़क के दूसरी तरफ जाकर स्कॉर्पियो से टकरा गया। गुरुवार सुबह सभी मृतकों का जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम किया गया और सभी मृतकों के शव परिजनों के साथ उनके गांव रवाना किए गए। सिविल सर्जन सर्जन डॉ मुकुंद बर्मन ने बताया कि 16 लोगों का पोस्टमार्टम किया गया है। लगभग 15 लोगों को अन्य चिकित्सालय में रेफर किया गया है वहीं शेष का उपचार जिला चिकित्सालय में चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने बुधवार देर रात एक्स पर कहा कि मध्य प्रदेश के धार जिले में हुई दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं।

♦ पिकअप पलटने से हुई थी सभी की मौत, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने जताया हादसे पर दुख

साइबर ठगों ने सेवानिवृत महिला प्रोफेसर से की एक करोड़ से अधिक की ठगी

एजेंसी, बिलासपुर/रायपुर

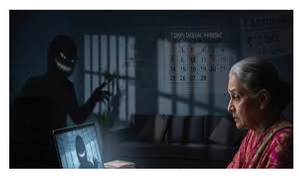

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सेवानिवृत महिला प्रोफेसर (82 वर्षीय)को डिजिटल अरेस्ट के जाल में फंसाकर साइबर ठगों ने 01 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपये की बड़ी ऑनलाइन ठगी कर ली।

महिला को करीब सात दिनों तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा गया और उन्हें टेरर फंडिंग फर्जी के फर्जी मामले में फंसाने की धमकी देकर 1.04 करोड़ रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए गए। मामले का खुलासा तब हुआ, जब महिला का बेटा घर पहुंचा और सच्चाई सामने आई। बिलासपुर में 1.04 करोड़ रुपये की इस बड़ी साइबर ठगी का शिकार हुई सेवानिवृत्त प्रोफेसर का नाम प्रो. रमन श्रीवास्तव है। वह बिलासपुर के डीपी कॉलेज में पदस्थ थीं और वर्तमान में बिलासपुर के 'रियल हेवन' कॉलोनी में रहती हैं।

इस पूरे मामले में बिलासपुर साइबर सेल और संबंधित पुलिस स्टेशन में आधिकारिक एफआईआर 27 अप्रैल को दर्ज कराई गई है। मुंबई निवासी प्रशांत श्रीवास्तव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वे एचआर कंसलटेंसी प्राइवेट लिमिटेड में डायरेक्टर हैं। उनकी मां रमन श्रीवास्तव वर्ष 2005 में डीपी विप्र कॉलेज से प्रोफेसर पद से सेवानिवृत्त हुई थीं और वर्तमान में सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रियल हैवेन, शांति नगर, मंगला चौक में रहती हैं।

प्रशांत श्रीवास्तव के अनुसार, 27 अप्रैल को उनकी मां रमन श्रीवास्तव ने फोन पर बताया कि 20 अप्रैल 2026 को दोपहर लगभग 1:30 बजे उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप पर संदेश भेजा, जिसमें संजय पीएसआई नाम लिखा था। ठगों ने खुद को जांच एजेंसियों का अधिकारी बताकर महिला को फोन किया और कहा कि उनके नाम से अवैध लेनदेन हुआ है। इसके बाद उन्हें डराने के लिए उच्चतम न्यायालय और ईडी के फर्जी नोटिस भी भेजे गए।

सुप्रीम कोर्ट बोला-रेप विक्टिम के अबॉर्शन पर टाइम लिमिट हटाएं

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 15 साल की रेप विक्टिम को 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में अबॉर्शन के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने केंद्र से कहा कि ऐसे मामलों में अबॉर्शन के लिए टाइम लिमिट से जुड़े कानून में बदलाव करना चाहिए।। CJI ने कहा, 'कानून ऐसा होना चाहिए, जो समय के साथ बदलता रहे और मौजूदा हालात के अनुसार चले। नाबालिग को जबरन मां बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में फैसला पीड़ित का ही होना चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को करीब सात महीने प्रेग्नेंट 15 साल की लड़की को अबॉर्शन की इजाजत दी थी। इसके खिलाफ AIIMS ने याचिका लगाई थी। क्योंकि अभी भारत का कानून रेप मामलों में 24 हफ्ते तक की प्रेग्नेंसी में ही अबॉर्शन की इजाजत देता है।

AIIMS ने कहा था- नाबालिग शायद फिर कभी मां न बन पाए: 15 साल की लड़की एक नाबालिग लड़के के साथ आपसी सहमति से संबंध के कारण प्रेग्नेंट हुई थी। नाबालिग की मां ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट (MPT Act) में तय समयसीमा से आगे जाकर बेटी के अबॉर्शन की इजाजत मांगी थी। लड़की ने भी कहा था कि वह प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती। AIIMS ने कोर्ट से कहा था कि 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में भ्रूण एक जीव का आकार ले चुका होता है और इस स्टेज पर अबॉर्शन सफल नहीं हो सकता। डॉक्टरों ने यह भी कहा कि अबॉर्शन से नाबालिग

मां को भी खतरा है। वह भविष्य में शायद फिर कभी मां नहीं बन पाएगी। AIIMS की दलील पर कोर्ट ने कहा- आपका सारा ध्यान सिर्फ बच्चे (भ्रूण) पर है, उस मां पर नहीं जिसने इतना दर्द सहा है। यह चाइल्ड रेप का मामला है। पीड़ित को जिंदगीभर का दर्द और ट्रॉमा झेलना पड़ेगा। अब यह भ्रूण बनाम नाबालिग बच्ची की लड़ाई है।

वकील ने बताया था- नाबालिग प्रेग्नेंसी से तनाव में है: 24 अप्रैल को सुनवाई में विक्टिम के वकील ने बताया था कि इस प्रेग्नेंसी ने नाबालिग को गंभीर मानसिक तनाव दिया है और उसकी पढ़ाई पर भी असर पड़ा है। कोर्ट को बताया गया कि नाबालिग में पहले से ही गंभीर मानसिक तनाव के संकेत दिख रहे हैं। वह आत्महत्या की कोशिश भी कर चुकी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि बच्चे को सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के जरिए गोद दिलाने की व्यवस्था की जा सकती है, जिससे लड़की और उसके परिवार की पहचान सुरक्षित रहे। उन्होंने नाबालिग को आर्थिक मदद की पेशकश भी की। हालांकि कोर्ट ने इस तर्क पर सवाल उठाया और कहा कि हम महिलाओं को अबॉर्शन के बजाय आर्थिक मदद या गोद लेने जैसे विकल्पों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर नहीं कर सकते।

SC ने कहा- कोर्ट वहीं करेगा, जो महिला के हित में बेहतर होगा: कोर्ट ने कहा कि अगर अदालतें अनचाही गर्भावस्था को जारी रखने पर जोर देंगी तो महिलाएं अवैध अबॉर्शन सेंटर्स का सहारा लेने या छिपकर गर्भपात कराने को मजबूर हो सकती हैं। इससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बढ़ जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि ऐसे मामलों में संवैधानिक अदालतों को यह देखना चाहिए कि गर्भवती महिला के हित में क्या बेहतर है, खासकर तब जब गर्भ स्पष्ट रूप से अनचाहा हो। अंत में कोर्ट ने नाबालिग का AIIMS दिल्ली में अबॉर्शन कराने का निर्देश दिया था।

पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक बंपर वोटिंग-''खेला होबे'' बनाम ''परिवर्तन होबे''-भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय होनें की संभावना-4 मई 2026 महीनों से लिखी जा रही कथा क़े नतीजों क़ा राजनीतिक निष्कर्ष होगा

लोकतंत्र की शान

» पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं;यह चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है

» उच्च मतदान प्रतिशत एंटी-इंकंबेंसी का परिणाम -बीजेपी को फायदा, प्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशन-टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है- स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान निर्णायक भूमिका निभानें की संभावना -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति,संघीय ढांचे,वैचारिक संघर्ष और चुनावी रणनीतियों का एक ऐसा प्रयोगशाला बन चुका है जिस पर पूरे देश ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी पैनी नजर टिकी हुई है।जब मतदान के दोनों चरण अभूतपूर्व उत्साह और अत्यधिक मतदान प्रतिशत के साथ संपन्न हुए,तो यह अपने आप में कई संकेत देता है,पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न हो चुके हैं। अब इंतजार है तो सिर्फ 4 मई का जब नतीजे आएंगे और क्लियर हो जाएगा कि सत्ता में ममता बनर्जी की वापसी होगी या फिर इस बार पश्चिम बंगाल में कमल खिलेगा। लेकिन उससे पहले जो एग्जिट पोल सामने आए हैं, वह कहीं ना कहीं ममता बनर्जी की जमीन हिला रहे हैं। तमाम टीएमसी नेताओं की धड़कनें बढ़ा रहे हैं। और कुछ नेता तो क्या कह रहे हैं टीएमसी के? टीएमसी के नेता कह रहे हैं कि बीजेपी हर बार इस तरीके का माहौल बनाती है और उसका माहौल उल्टा ही साबित होता है। इस बार जो बंगाल में 200 पार का यह लोग बातें कर रहे हैं। इस बार वो बातें हवा-हवाई ही साबित होंगी क्योंकि 4 मई को जो नतीजे आएंगे वो टीएमसी के पक्ष में आएंगे। हालांकि बीजेपी वाले जो हैं वो ये कह रहे हैं कि इस बार ममता बनर्जी के साथ खेला होगा।एक तरफ जनता की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी, दूसरी तरफ सत्ता के प्रति गहरी असंतुष्टि या समर्थन का तीव्र भाव। पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं है;यह दर्शाता है कि चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पृष्ठभूमि में बदला बनाम बदलाव की बहस,वोटों की बरसात और सत्ता परिवर्तन जैसे सवाल केवल नारे नहीं बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान के संकेतक बन जाते हैं।अगर हम ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो पश्चिम बंगाल लंबे समय तक वैचारिक राजनीति का केंद्र रहा है। वामपंथी शासन के तीन दशक और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का उदय, ये दोनों ही चरण बताते हैं कि बंगाल की राजनीति हमेशा परिवर्तनशील रही है।लेकिन वर्तमान चुनाव में जो सबसे बड़ा बदलाव दिखता है,वह है बीजेपी का अभूतपूर्व उभार,जिसने राज्य की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को त्रिकोणीय और अब लगभग द्विध्रुवीय (टीएमसी बनाम बीजेपी) संघर्ष में बदल दिया है। साथियों बात अगर हम भारत भारत व पूरे विश्व की नजरों मेंअब पहले सबसे बड़े प्रश्न की करें,पूरी दुनिया की नजरें सोमवार 4 मई 2026 के नतीजों पर क्यों टिकी हैं? इसका उत्तर केवल सीटों के गणित में नहीं बल्कि उस राजनीतिक कथा में छिपा है जो भारत के लोकतंत्र को परिभाषित करती है। बंगाल का चुनाव इस बात का संकेत देगा कि क्या क्षेत्रीय दल अभी भी अपने मजबूत गढ़ों को बचा सकते हैं या राष्ट्रीय दलों का विस्तार अब लगभग हर राज्य में संभव हो गया है। यह चुनाव पीएम के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय राजनीति बनाम क्षेत्रीय पहचान की राजनीति का सीधा मुकाबला भी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे लोकल बनाम नेशनल नैरेटिव के रूप में देखा जा रहा है, जो कई लोकतांत्रिक देशों में उभरती प्रवृत्ति से मेल खाता है। साथियों बात अगर हम बदला या बदलाव,इस प्रश्न को समझने की करें तो पश्चिम बंगाल की राजनीति के सबसे संवेदनशील पहलू को छूता है। बदला शब्द बंगाल में राजनीतिक हिंसा और प्रतिशोध की उस संस्कृति की ओर इशारा करता है जो दशकों से चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा रही है। वहीं बदलाव विकास, प्रशासनिक सुधार और नई राजनीतिक दिशा का प्रतीक है। इस चुनाव में दिलचस्प बात यह रही कि व्यापक रूप से हिंसा की घटनाएं अपेक्षाकृत कम देखने को मिलीं,जिसका श्रेय केंद्रीय बलों की तैनाती और कड़ी निगरानी को दिया जा रहा है। यह बदलाव केवल चुनावी प्रक्रिया में नहीं बल्कि मतदाताओं के मनोविज्ञान में भी झलकता है,वे अब स्थिरता और सुरक्षा को सटीकता से प्राथमिकता दे रहे हैं। साथियों बात अगर हम दोनों चरणों में 92 प्रतिशत से अधिक हुई बंपर वोटिंग को समझने की करें तो अब सवाल आता है,वोटों की बरसात किसके साथ? अत्यधिक मतदान प्रतिशत आमतौर पर दो तरह के संकेत देता है:या तो सत्ता के खिलाफ भारी असंतोष, या फिर सत्ता के समर्थन में जबरदस्त लामबंदी।इस बार बंगाल में दोनों ही संभावनाएं मौजूद हैं। एक तरफ टीएमसी ने अपने कल्याणकारी योजनाओं,महिला वोट बैंक और ग्रामीण नेटवर्क के दम पर मजबूत पकड़ बनाए रखी है,वहीं बीजेपी ने हिंदुत्व, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के मुद्दों के साथ-साथ संगठनात्मक विस्तार के जरिए शहरी और युवा मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश की है।एग्जिट पोल्स ने इस जटिल समीकरण को और भी रोमांचक बना दिया है।विभिन्न एजेंसियों के अनुमान में बीजेपी को बढ़त दिखाई जा रही है,कुछ में तो स्पष्ट बहुमत का दावा भी किया गया है। हालांकि पोल ऑफ पोल्स एक करीबी मुकाबले की ओर इशारा करता है, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच सीटों का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है।भारतीय चुनावी इतिहास में एग्जिट पोल कई बार गलत भी साबित हुए हैं, इसलिए इन्हें अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। फिर भी ये राजनीतिक माहौल और मतदाताओं की संभावित दिशा का संकेत जरूर देते हैं।टीएमसी का दावा है कि ये एग्जिट पोल मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि वास्तविक नतीजे उनके पक्ष में आएंगे और बीजेपी का 200 पार का दावा केवल प्रचार है। दूसरी ओर बीजेपी का आत्मविश्वास इस बात को दर्शाता है कि पार्टी को जमीनी स्तर पर अपने प्रदर्शन को लेकर भरोसा है। खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे ये नारे अब केवल शब्द नहीं बल्कि दो अलग- अलग राजनीतिक दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथियों बात अगर हम इस चुनाव में एक और महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह है,भ्रष्टाचार के आरोप, विशेषकर कोयला घोटाला। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर इस बार कोई बड़ा उलटफेर होता है, तो उसमें इन आरोपों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। जांच एजेंसियों की कार्रवाई और उससे जुड़ी राजनीतिक बहस ने चुनावी माहौल को प्रभावित किया है। साथ ही, चुनावी रणनीति में पेशेवर संस्थाओं की भूमिका जैसे कि आईपैक भी चर्चा का विषय रही है, जिसने आधुनिक भारतीय चुनावों में डेटा-आधारित रणनीति की अहमियत को उजागर किया है।मतदान के शांतिपूर्ण संपन्न होने का एक और बड़ा प्रभाव यह है कि इससे चुनाव की वैधता और विश्वसनीयता बढ़ी हैअंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लोकतंत्र को अक्सर उसकी जटिलता और विविधता के कारण सराहा जाता है, लेकिन चुनावी हिंसा उसकी छवि को प्रभावित करती रही है। इस बार अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण चुनाव ने यह संदेश दिया है कि भारत अपने चुनावी तंत्र को और मजबूत बना रहा है। साथियों बात अगर हम सबसे बड़ा प्रश्न,क्या एग्जिट पोल के आंकड़े वास्तविक नतीजों में बदलेंगे? इसको समझने की करें तो,इसका उत्तर 4 मई को ही मिलेगा, लेकिन कुछ संकेतों के आधार पर संभावनाओं का विश्लेषण किया जा सकता है। अगर उच्च मतदान प्रतिशत एंटी-इंकंबेंसी का परिणाम है, तो बीजेपी को फायदा हो सकता है। लेकिन अगर यह ''प्रो- इंकंबेंसी मोबिलाइजेशन'' है, तो टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है। इसके अलावा, स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता, क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।यह केवल यह नहीं बताएगा कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी, बल्कि यह भी संकेत देगा कि भारत में राजनीति का स्वरूप किस दिशा में विकसित हो रहा है,क्या क्षेत्रीय दल अपनी पकड़ बनाए रखेंगे या राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व और बढ़ेगा। बदला और बदलाव के बीच झूलता यह चुनाव लोकतंत्र के उस जीवंत स्वरूप का उदाहरण है, जहां अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है।4 मई का दिन केवल नतीजों की घोषणा नहीं होगा, बल्कि यह उस राजनीतिक कथा का निष्कर्ष होगा जो महीनों से लिखी जा रही है। क्या ममता बनर्जी अपनी सत्ता बचा पाएंगी या बीजेपीपहली बार बंगाल में सरकार बनाएगी,यह सवाल जितना बंगाल के लिएमहत्वपूर्ण है, उतना ही भारत और विश्व की राजनीति के लिए भी महत्व रखेगा।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

गौतम बुद्ध के उपदेश और आज की दुनिया में उनकी प्रासंगिकता

लेखक - सुनील कुमार महला

हर वर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा तिथि पर बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु के नौवें अवतार महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 1 मई 2026, शुक्रवार को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल की रात 09 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर 1 मई 2026 की रात 10 बजकर 52 मिनट तक प्रभावी रहेगी। उदया तिथि के अनुसार यह पर्व 1 मई को मनाया जाएगा। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बोधि) और महापरिनिर्वाण-तीनों की स्मृति को समर्पित है। इस अवसर पर देश-विदेश में श्रद्धालु ध्यान, प्रार्थना, दान और अहिंसा के संदेश का पालन करते हैं। विशेषकर बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर जैसे पवित्र स्थलों पर बड़े आयोजन होते हैं। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हमें करुणा, शांति और मध्यम मार्ग के सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा देता है, जिससे मानव जीवन में नैतिकता और सद्भाव का विकास होता है।पाठकों को बताता चलूं कि वैशाख पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा', 'पीपल पूर्णिमा' और 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि यह दिन भगवान विष्णु को भी समर्पित माना जाता है, क्योंकि पुराणों के अनुसार महात्मा बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना गया है। स्कन्द पुराण में वैशाख मास को समस्त मासों में श्रेष्ठ बताया गया है, इसलिए यह मास विष्णु भगवान को अत्यंत प्रिय है। इस दिन भगवान विष्णु के सत्यनारायण स्वरूप की पूजा की जाती है। पद्म पुराण और मत्स्य पुराण में वैशाख मास में स्नान और दान को श्रेष्ठ बताया गया है-वैशाखे मासि स्नानं च, दानं च विशेषतः। इस मास में पवित्र तीर्थों पर स्नान, दान-पुण्य और व्रत से मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है। शक्कर, तिल, पंखे, जूते-चप्पल, घड़ा, दूध-खीर, अन्न-वस्त्र आदि का दान अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रदेव को अर्घ्य देना शुभ फलदायी होता है। साथ ही मां लक्ष्मी की पूजा से घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है। उन्हें बताशा, खीर, मिठाई, नारियल और कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस दिन भगवान राम और हनुमान जी की पूजा भी की जाती है तथा हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। पितरों के निमित्त पिंडदान करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है और परिवार में शांति एवं समृद्धि आती है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भगवान गौतम बुद्ध को 'एशिया का प्रकाश' कहा जाता है। उनका जन्म 563 ईसा पूर्व नेपाल के कपिलवस्तु स्थित लुम्बिनी वन में वैशाख पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन शाक्यवंश के राजा थे और माता महामाया थीं। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था और उनका पालन-पोषण राजकुमार के रूप में हुआ। बाद में उन्होंने सांसारिक जीवन त्यागकर सत्य की खोज की। आज के संदर्भ में देखा जाए तो उनका जन्म नेपाल में हुआ, लेकिन उनकी कर्मभूमि भारत रही। यहीं उन्हें बोधि प्राप्त हुई और यहीं से उन्होंने संपूर्ण विश्व को ज्ञान का संदेश दिया। आज जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, चीन, वियतनाम, ताइवान, तिब्बत, भूटान, कंबोडिया, हांगकांग, मंगोलिया, थाईलैंड, मकाऊ, म्यांमार, श्रीलंका जैसे अनेक देश बौद्ध संस्कृति से प्रभावित हैं। पाठक जानते हैं कि महात्मा बुद्ध ने जीवन में अहिंसा, करुणा, शांति, मैत्री और बंधुत्व का संदेश दिया। उनके अनुसार मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। शुद्ध विचारों से किया गया कर्म सुख देता है और अशुद्ध विचार दुख का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि तीन चीजें कभी छुपाई नहीं जा सकतीं-सूर्य, चंद्रमा और सत्य। उनका यह भी संदेश था कि एक दीपक हजारों दीपक जला सकता है, फिर भी उसकी रोशनी कम नहीं होती, इसी प्रकार सद्गुण बांटने से कम नहीं होते। बुद्ध के अनुसार व्यक्ति को वर्तमान में जीना चाहिए, क्योंकि भूतकाल और भविष्य में खोकर दुख ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बुराई से बुराई को नहीं जीता जा सकता, प्रेम से ही संसार जीता जा सकता है।

दया, करुणा और मानवता के पक्षधर महात्मा बुद्ध

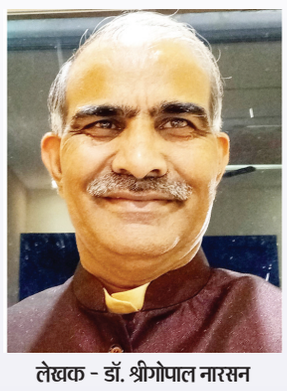

लेखक - डॉ. श्रीगोपाल नारसन

इस धरा पर समय समय पर महान आत्मा अवतरित होती रही है।जो देश और समाज को नई दिशा देकर दया,करुणा,ममता,प्रेम,भक्ति,मानवता, शांति के रास्ते पर राह भटके लोगो को चलाती रही है।ऐसी ही एक विभूति ने 563 ईसापूर्व वैशाख मास की पूर्णिमा को लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच एक राजकुमार के रूप में उस समय जन्म लिया, जब उनकी मां कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी अपने पीहर देवदह जा रही थी और रास्ते में ही उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई थी। इस राजकुमार का नाम रखा गया सिद्धार्थ, जो आगे चल कर महात्मा बुद्ध के नाम से विख्यात हुए। महात्मा बुद्ध का जीवन दर्शन और उनके विचार आज ढाई हजार से अधिक वर्षों के बेहद लंबे अंतराल बाद भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके प्रेरणादायक जीवन दर्शन का जनजीवन पर अमिट प्रभाव रहा है। हिन्दू धर्म में जो अमूल्य स्थान चार वेदों का है, वही स्थान बौद्ध धर्म में 'पिटकों' का है। महात्मा बुद्ध स्वयं अपने हाथ से कुछ नहीं लिखते थे बल्कि उनके शिष्यों ने ही उनके उपदेशों को कंठस्थ कर बाद में उन्हें लिखा और लिखकर उन उपदेशों को वे पेटियों में रखते जाते थे, इसीलिए इनका नाम 'पिटक' पड़ा, जो तीन प्रकार के हैं:- विनय पिटक, सुत्त पिटक तथा अभिधम्म पिटक।बुद्ध का कथन है ,कल्याण की भावना तथा प्राणीमात्र के प्रति दयाभाव का साक्षात्कार होता है। बुद्ध के हृदय में बाल्यकाल से ही चराचर जगत में विद्यमान प्रत्येक प्राणी में प्रति करूणा कूट-कूटकर भरी थी। मनुष्य हो या कोई जीव-जंतु, किसी का भी दुख उनसे देखा नहीं जाता था। एक बार की बात है, जंगल में भ्रमण करते समय उन्हें किसी शिकारी के तीर से घायल एक हंस मिला। उन्होंने उसके शरीर से तीर निकालकर उसे थोड़ा पानी पिलाया। तभी उनका चचेरा भाई देवदत्त वहां आ पहुंचा और कहा कि यह मेरा शिकार है, इसे मुझे सौंप दो। इस पर राजकुमार सिद्धार्थ ने कहा कि इसे मैंने बचाया है जबकि तुम तो इसकी हत्या कर रहे थे, इसलिए तुम्हीं बताओ कि इस पर मारने वाले का अधिकार होना चाहिए या बचाने वाले का। निश्चित ही बचाने वाले का अधिकार है।यही न्याय उनके पिताजी ने उनके साथ किया।बुद्ध की सोच थी कि ''जो व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से ईर्ष्या करता है, उससे वैर भाव रखता है, किसी पर बेवजह क्रोध करता है, निरीह प्राणियों पर अत्याचार या उनकी हत्या करता है, वही व्यक्ति नीच होता है। जब कोई किसी पर चिल्लाता है या उसे अपशब्द कहता है अथवा उसे नीच कहता है तो ऐसा करने वाला व्यक्ति ही वास्तव में नीचता पर उतारू होता है क्योंकि असभ्य व्यवहार ही नीचता का प्रतीक है। जो व्यक्ति किसी का कुछ लेकर उसे वापस नहीं लौटाता, ऋण लेकर लौटाते समय झगड़ा या बेईमानी करता है, राह चलते लोगों के साथ मारपीट कर लूटपाट करता है, जो माता-पिता या बड़ों का आदर-सम्मान नहीं करता और समर्थ होते हुए भी माता-पिता की सेवा नहीं करता बल्कि उनका अपमान करता है, वही व्यक्ति नीच होता है। जाति या धर्म निम्न या उच्च नहीं होते और न ही जन्म से कोई व्यक्ति उच्च या निम्न होता है बल्कि अपने विचारों, कर्म तथा स्वभाव से ही व्यक्ति निम्न या उच्च बनता है। मध्य बिहार के धार्मिक तीर्थ स्थल गया से लगभग 10 किमी दूर वह पवित्र स्थान है जहां महात्मा बुद्ध को आध्यत्म का बोध हुआ और उन्होंने संसार से विरक्त होकर ईश्वरीय ज्ञान की अलख जगाई ,साथ ही दुनिया मे शांति व सदभाव की स्थापना के लिए उन्होंने साधना की। सिद्धार्थ अर्थात गौतम का संसार की मोह माया को त्यागकर महात्मा बुद्ध में परिवर्तित होना और अपना संपूर्ण जीवन धर्म के असली अर्थ को जानकर बोध की अवस्था को प्राप्त करना एक चमत्कार ही है, जिसका संदेश सारे विश्व में गया है।बौद्ध धर्म को स्थापित करने वाले सिद्धार्थ अर्थात गौतम बुद्ध को बिहार की भूमि पर ही बोध की प्राप्ति हुई थी। जिस स्थान पर गौतम बुद्ध ने सर्वोच्च ज्ञान हासिल किया था, उस जगह को महाबोधि मंदिर, जो कि बोध गया में स्थित है, के नाम से जाना जाता है।इस मंदिर की सुरक्षा अत्यधिक है।श्रद्धालुओं को सीसीटीवी कैमरे की नजर में रखा जाता है।कैमरे व मोबाइल की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित है।चाहे श्रद्धालु स्त्री हो या पुरूष दोनों को ही दो दो बार तलाशी के दौर से गुजरना पड़ता है।तब जाकर महात्मा बुद्ध के विग्रह को निहारने व वहां बैठकर साधना सुख का अवसर मिल पाता है। बौद्ध धर्म के पवित्र स्थल के रूप में प्रसिद्ध महाबोधि मंदिर के दर्शन के लिए बौद्ध धर्म के अनुयायी देश-विदेश से बोध गया आते हैं। महात्मा बुद्ध को विष्णु का अवतार भी माना जाता है इसलिए इस मंदिर को लेकर हिन्दू धर्म के लोगों की भी गहरी आस्था है।महात्मा बुद्ध का जीवन जितना अद्भुत था। इस मंदिर का इतिहास भी उतना ही रोचक है, जो मौर्य शासक सम्राट अशोक से जुड़ा है। गौतम बुद्ध को बोध की प्राप्ति कब हुई, इससे ठीक अनुमान से जुड़ा कोई भी दस्तावेज मौजूद नहीं है। यहां तक कि बुद्ध का जन्म किस सदी और किस तारीख को हुआ, इससे जुड़ा कोई पुख्ता प्रमाण मौजूद नहीं है। महात्मा बुद्ध का संबंध 5वीं और 6वीं शताब्दी ईसापूर्व से है। माना जाता है तीसरी शताब्दी ईसापूर्व में सम्राट अशोक, जो बौद्ध धर्म ग्रहण करने वाले पहले शासक थे, ने इस महाबोधि मंदिर में अपने विशिष्ट पहचान वाले खंबे भी लगवाए जिनके शीर्ष पर हाथी बना होता था। पहली शताब्दी ईसवी में इस मंदिर की परिधि में नक्काशीदार पत्थरों से बनी एक बाड़ लगा दी गई, जिसके कुछ अवशेष आज भी मौजूद हैं। इस मंदिर के भीतर एक बड़ी प्रतिमा के रूप में बुद्ध, पद्मासन में विराजमान हैं। कहा जाता है यह वही स्थान है जहां बुद्ध को निर्वाण की प्राप्ति हुई थी। मंदिर के भीतर स्थित बुद्ध की प्रतिमा के आगे भूरे बलुए पत्थर पर बुद्ध के विशाल पदचिन्ह भी मौजूद हैं, जिन्हें धर्मचक्र प्रर्वतन का प्रतीक भी कहा जाता है।

इस मूर्ति के चारों ओर विभिन्न रंगों के झंडे लगे हुए हैं जो इस मूर्ति को बेहद आकर्षक और विशिष्ट बनाते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि जब सम्राट अशोक ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था तब यहां हीरे-जवाहरात से बना एक सिंहासन भी बनवाया था, जिसे पृथ्वी का नाभि केन्द्र माना जाता था। महाबोधि मंदिर के परिसर में उन सात स्थानों को प्रमुखता के साथ चिन्हित किया गया है जहां महात्मा बुद्ध ने ज्ञान की प्राप्ति होने के पश्चात आगामी सात सप्ताह व्यतीत किए थे। ज्ञान प्राप्ति के पश्चात महात्मा बुद्ध ने दूसरा सप्ताह जिस वृक्ष के नीचे बिताया था उस बोधि वृक्ष की पांचवीं पीढ़ी का पेड़ आज भी वहां मौजूद है। यहां बुद्ध की एक प्रतिमा भी बनी हुई है, जिसे अनिमेश लोचन कहा जाता है। महाबोधि मंदिर का उत्तरी भाग 'चंकामाना' के नाम से पहचाना जाता है। इस स्थान पर बुद्ध ने निर्वाण के बाद तीसरा सप्ताह बिताया था। इस स्थान पर काले पत्थर से कमल का फूल बनाया हुआ है, जिसे बुद्ध का प्रतीक चिह्न माना जाता है। महाबोधि मंदिर के भीतर उत्तर-पश्चिम दिशा में एक भग्नावेष है, जिसे रत्नधारा से नाम से जाना जाता है। इस भग्नावेष की छत नहीं है। माना जाता है कि बोध की प्राप्ति के पश्चात बुद्ध ने चौथा सप्ताह यहीं बिताया था। लोककथाओं के अनुसार यहां रहने के मध्य बुद्ध गहन ध्यान में लीन थे तब उनके शरीर में से एक किरण निकली थी।

राजनीतिक नेता मलाई खाएं और मजदूर भूखा रहे; "मजदूर जाए तो जाए कहां"

1 मई अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस

लेखक रमेश कृष्णराव लांजेवार

मजदूर वर्ग केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व का "आधार स्तंभ" है, लेकिन यह दिन-ब-दिन कमजोर होता दिखाई दे रहा है। सरकार और राजनीतिक नेता अपने स्वार्थ के लिए लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने के प्रयास में लगे हैं, परंतु मजदूरों (देश के शिल्पकार) को वेतन, पेंशन, भत्ते और स्वास्थ्य सुविधाएं देने में असमर्थ दिखाई देते हैं। हर वर्ष 1 मई को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। यदि आज दुनिया पर नजर डालें तो लगभग 80 प्रतिशत लोग मजदूर वर्ग में आते हैं, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों के मजदूर शामिल हैं। चाहे खेतों में काम करने वाला मजदूर हो, कारखानों में काम करने वाला हो या किसी अन्य क्षेत्र का श्रमिक, उसकी स्थिति अत्यंत दयनीय दिखाई देती है।आज विकसित, विकासशील और गरीब सभी देशों में मजदूरों के सामने जीवन-मरण का प्रश्न खड़ा हो गया है। भारत की स्थिति देखें तो जनसंख्या विस्फोट स्पष्ट दिखाई देता है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक हो चुकी है और चीन से लगभग 29 लाख अधिक होकर विश्व में प्रथम स्थान पर है। ऐसी स्थिति में सरकार और राजनीतिक नेताओं को मजदूरों की हर संभव सहायता करना अत्यंत आवश्यक है।देश में मुट्ठीभर राजनीतिक नेताओं के पास अरबों-खरबों रुपये की चल-अचल संपत्ति है। यदि इस संपत्ति का उपयोग मजदूरों के हित में किया जाए तो यह एक बड़ा सहारा साबित होगा। मजदूर को दुनिया का "शिल्पकार" कहा जाता है और किसान को "अन्नदाता"। दोनों की भूमिका देश और विश्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंदिर, मस्जिद, कारखाने, सरकारी इमारतें, ताजमहल, गुरुद्वारे, बौद्ध विहार, कुतुब मीनार, संसद भवन, अयोध्या का राम मंदिर और बड़े-बड़े किले ये सभी मजदूरों की मेहनत से बने हैं।फिर भी आज इस "शिल्पकार" की हालत बेहद खराब है। मजदूर दुनिया का सबसे बड़ा आधार है मजदूर नहीं तो कुछ भी नहीं। यह बात भारत सहित पूरे विश्व को समझनी होगी। मजदूर वर्ग की समस्याएं इतनी बढ़ गई हैं कि उनका जीवनयापन कठिन हो गया है। यदि भारत के EPS-95 के डेढ़ करोड़ पेंशनधारकों को देखें तो उन्हें मात्र 1000 से 3000 रुपये तक पेंशन मिल रही है, जिससे उनका गुजारा और इलाज संभव नहीं है।असंगठित मजदूरों की स्थिति और भी अधिक गंभीर है। महामारी (2019–2021) ने उनकी हालत को और खराब कर दिया। आज किसान पहले से ही संकट में है, लेकिन मजदूरों की स्थिति उससे भी अधिक चिंताजनक है। भारत एक कृषि प्रधान देश है और विशाल जनसंख्या वाला भी है। मजदूर अपनी मेहनत से देश के विकास में योगदान देता है, लेकिन उसे उसके श्रम का उचित मूल्य नहीं मिलता।अब समय आ गया है कि समान कानून, समान अधिकार, समान संपत्ति, समान वेतन और समान पेंशन पर गंभीरता से विचार किया जाए। एक परिवार के पास रहने के लिए कितनी जगह और जीवनयापन के लिए कितनी संपत्ति होनी चाहिए, इस पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को विचार करना चाहिए।आज स्थिति यह है कि राजनीतिक नेता संपन्न हैं और मजदूर भूखा है। इसी कारण महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आत्महत्याएं, महंगी शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। राजनीतिक नेता समानता की बात करते हैं, लेकिन यह केवल राजनीति तक सीमित रह जाती है।इसलिए वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए सरकार को समान अधिकार और समान वेतन पर कानून बनाना चाहिए। तभी गरीब और मजदूर वर्ग को राहत मिलेगी, अन्यथा अमीर और अमीर होता जाएगा और गरीब और गरीब होता जाएगा।सरकार को मजदूरों के प्रति संवेदनशील होकर ठोस कदम उठाने चाहिए। EPS-95 पेंशनधारकों की मांग है कि उन्हें कम से कम 7500 रुपये पेंशन, महंगाई भत्ता और स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएं। यदि सरकार यह मांग पूरी करती है तो मजदूरों को वास्तविक न्याय मिलेगा।सरकार को मजदूरों के घाव पर मरहम लगाने का कार्य करना चाहिए, तभी मजदूर दिवस सार्थक होगा। "जिस देश का मजदूर सुखी, वह देश सुखी" यह सत्य है। मजदूर आंदोलन कमजोर हो चुके हैं, इसलिए अब सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ गई है कि वह मजदूरों के हित में निर्णय ले।मजदूरों की कार्यकुशलता का उचित मूल्य मिलना चाहिए, क्योंकि वही विश्व का आधार है। इस आधार को मजबूत बनाए रखना पूरे विश्व की जिम्मेदारी है। सरकार और पूंजीपति वर्ग को मजदूरों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना अपनानी चाहिए।मजदूर दिवस के अवसर पर यदि राजनीतिक नेता मजदूरों को न्याय देने का संकल्प लें, तभी इस दिन का महत्व सिद्ध होगा। साथ ही बदलते पर्यावरण को देखते हुए इस दिन बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कर इसे मनाया जाए, जिससे प्रकृति भी सुरक्षित रहे।

जय हिंद!

लेखक रमेश कृष्णराव लांजेवार
(स्वतंत्र पत्रकार)
मो. नं. 9921690779,
नागपुर।

आईपीएल 2026

रिकेल्टन बने मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज

मुंबई । सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ बुधवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए महज 44 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इसी के साथ रिकेल्टन एमआई की तरफ से सबसे तेज आईपीएल शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस लिस्ट में सनथ जयसूर्या संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर हैं। जयसूर्या ने साल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के विरुद्ध 45 गेंदों में शतक लगाया था। इसके बाद

आईपीएल 2026 में तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ इतनी ही गेंदों पर अपना शतक पूरा किया था। कैमरून ग्रीन इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 47 गेंदों में शतक पूरा किया था।
सूर्यकुमार यादव (49 गेंदें) इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 49 गेंदों में शतक लगाया था।
वानखेड़े स्टेडियम में एसआरएच के विरुद्ध बाएं हाथ के बल्लेबाज रिकेल्टन ने 55 गेंदों में नाबाद 123 रन की पारी खेली। इस दौरान 10 चौके और 8 छक्के लगाए।
इस पारी में रिकेल्टन ने 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो एमआई की तरफ से संयुक्त रूप से सातवां सबसे तेज अर्धशतक है। मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज आईपीएल अर्धशतक का रिकॉर्ड ईशान किशन के नाम पर है, जिन्होंने 8 अक्टूबर 2021 को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ महज 16 गेंदों में इस आंकड़े को छुआ था। इससे पहले रयान रिकेल्टन 29 मार्च 2026 को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 24 गेंदों में अर्धशतक लगा चुके थे।
वानखेड़े स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने 5 विकेट खोकर 243 रन बनाए। इस टीम के लिए रिकेल्टन (नाबाद 123) के अलावा, विल जैक्स ने 22 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ 46 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कप्तान हार्दिक पांड्या ने 31 रन, जबकि नमन धीर ने 22 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से प्रफुल हिंगे ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए।

रोहित शर्मा बर्थडेः आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने

'हिटमैन' को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने अपना 39वां जन्मदिन मनाया। भारतीय क्रिकेट और आईपीएल के सबसे सफल कप्तान और बल्लेबाजों में से एक रोहित को आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अलग-अलग अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है।

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का विजेता बनाने वाले रोहित शर्मा गुरुवार को अपना 39वां जन्मदिन मनाया। भारतीय क्रिकेट और आईपीएल के सबसे सफल कप्तान और बल्लेबाजों में से एक रोहित को आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अलग-अलग अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने एक्स पर लिखा, 'मुंबई के राजा और एकमात्र हिटमैन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने लिखा, 'दो आईसीसी ट्रॉफी, एक हिटमैन। जन्मदिन मुबारक हो, रोहित शर्मा।' रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक्स पर लिखा, 'अरे, आज है ना, हिटमैन का वो है। उस आदमी को जन्मदिन की बधाई जो बल्लेबाजी को आसान बनाता है और क्रिकेट को और मजेदार बनाता है। हिट करते रहो, रो-हिट शर्मा।' राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने रोहित शर्मा के साथ रवींद्र जडेजा की दो तस्वीरें साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने अपने एक्स पर दो तस्वीरें साझा करते हुए को जन्मदिन की बधाई दी है। एक तस्वीर टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली है और दूसरी तस्वीर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद की है। चैंपियंस ट्रॉफी वाली तस्वीर में रोहित के साथ जीटी के कप्तान शुभमन गिल भी हैं।

जीटी ने कैप्शन में लिखा, 'आपको सुपर-हिट जन्मदिन की शुभकामनाएं, रोहित।' दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने अपने कप्तान अक्षर पटेल के साथ रोहित शर्मा की तस्वीर साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने रोहित शर्मा की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, 'खुशी, रन और दिल एक साथ खींच रहे हैं। जन्मदिन मुबारक हो, रोहित शर्मा।' लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने रोहित शर्मा की टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, 'ये, वो और एक ही रो, जन्मदिन मुबारक हो हिटमैन।'

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने लिखा, 'रिकॉर्ड। तारीफ। भारतीय क्रिकेट के एक सच्चे लीजेंड। जन्मदिन मुबारक हो, हिटमैन।' पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने एक्स पर एक वीडियो साझा की है। इसमें रोहित शर्मा टीम के खिलाड़ियों से मिलते हुए दिख रहे हैं। पंजाब ने कैप्शन में लिखा, 'रोहित के जन्मदिन पर क्या बोलेंगे? हैपी बर्थ डे हिटमैन।' भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी रोहित शर्मा को जन्मदिन पर बधाई दी है।

रियान पर 'वेपिंग' के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया

डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान रियान पराग पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। पराग पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में ड्रेसिंग रूम के अंदर वेप का इस्तेमाल करते दिखे थे। गुरुवार को आईपीएल की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि पराग ने आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने की बात मान ली है, जिसमें 'ऐसा व्यवहार जिससे खेल की बदनामी हो' शामिल है। आईपीएल की ओर से बयान में आगे कहा गया, 'यह घटना पंजाब किंग्स-आरआर मैच के दौरान आरआर की बल्लेबाजी के दौरान हुई। रियान को ड्रेसिंग रूम के अंदर वेप का इस्तेमाल करते देखा गया था। रियान ने गलती मान ली और मैच रेफरी अमित शर्मा द्वारा लगाई गई सजा को मान लिया।'

ऐसा माना जाता है कि पराग के वेप इस्तेमाल करने के विजुअल अधिकारियों के ध्यान में आने के बाद, ऑन-फील्ड अंपायर तन्मय श्रीवास्तव और नितिन मेनन ने मैच रेफरी शर्मा को मामले की जानकारी दी। आईपीएल के कोड में वेपिंग का साफ तौर पर जिक्र नहीं है, लेकिन ड्रेसिंग रूम और खिलाड़ियों के जगह पर डेकोरम बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

बयान में यह भी कहा गया है कि आरआर पर सख्त एक्शन लेने की भी तैयारी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) गलती करने वाली टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के लिए दूसरे विकल्प भी देख रहा है ताकि आईपीएल की प्रतिष्ठा बनी रहे।

आईपीएल के आर्टिकल 2.21 का मकसद ऐसे सभी तरह के कामों को देखना है जिनसे खेल की बदनामी होती है।

मार्टा कोस्त्युक ने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में जगह बनाई

मैड्रिड । मार्टा कोस्त्युक ने चेक गणराज्य की 13वीं सीड लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ 7-6(1), 6-0 से जीत हासिल करते हुए अपने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेनी खिलाड़ी अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में जगह बनाने के लिए लकी लूजर अनास्तासिया पोटापोवा से भिड़ेंगी। कोस्त्युक डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर पोटापोवा के खिलाफ 2-2 से बराबर हैं, लेकिन उन्होंने अपने पिछले दो मैच सीधे सेटों में जीते हैं, जिसमें पिछले साल मैड्रिड में उनका सबसे हालिया मैच भी शामिल है। दूसरे सेमीफाइनल में मीरा एंड्रीवा और हैली बैप्टिस्ट का मुकाबला होगा। पहले सेट में कुल मिलाकर आठ सर्व ब्रेक हुए। दोनों खिलाड़ियों को मनोलो सैंटाना स्टेडियम के ठंडे तापमान में सर्व पर संघर्ष करते देखा गया। कोस्त्युक ने ब्रेकर में शानदार खेल दिखाया और उसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

व्यापार

ईरान-इजरायल युद्ध से भारत में भड़क सकती है महंगाई

नई दिल्ली, एजेंसी । ईरान-इजरायल युद्ध की तपिश में भारतीय अर्थव्यवस्था भी झुलसेगी। जी हां, केंद्रीय वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत के सप्लाई चेन को बड़ा झटका लगा है। इससे महंगाई भड़कने का जोखिम बढ़ गया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से अप्रैल महीने के लिए मासिक समीक्षा रिपोर्ट बुधवार को जारी किया गया। इसमें बताया गया है कि पश्चिम एशिया संकट

से भारत का सप्लाई चेन बाधित हुआ है। इससे कारोबार और वित्तीय प्रवाह पर जोखिम बढ़ गया है। हालांकि इसमें कहा गया है कि मजबूत घरेलू मांग, नीतिगत समर्थन, सुदृढ़ वित्तीय प्रणाली और सार्वजनिक निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सुरक्षा मिलेगी। इस समय कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के साथ साथ रासायनि खान की सप्लाई को लेकर जो लंबी अनिश्चितता उभरी है, वह देश की वृहद आर्थिक स्थिरता की मजबूती की परीक्षा ले सकती है। इस रिपोर्ट में 'अल नीनो' के प्रभाव का भी जिक्र है। इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई गई है। जिलों में औसत से कम बारिश होने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि 'अल नीनो' एक खास जलवायु स्थिति है, जिसमें प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है, जिससे भारत में मानसून कमजोर पड़ जाता है।

फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी । अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को अपनी बेंचमार्क ब्याज दर को जस का तस रखा। यानी इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया। 2026 में केंद्रीय बैंक ने लगातार तीसरी बार ऐसा किया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था ईरान युद्ध और नौकरियों में रुक-रुककर हो रही बढ़ोतरी के कारण बढ़ती महंगाई से जूझ रही है। फेड ने फेडरल फंड्स रेट को उसकी मौजूदा सीमा 3.5 प्रतिशत से 3.75 प्रतिशत पर ही बनाए रखा। यह वह दर है जो बैंक शॉर्ट-टर्म लोन के लिए वसूलते हैं। दरों को स्थिर रखने के इस फैसले की निवेशकों को पहले से ही काफी उम्मीद थी। टूल ने शत-प्रतिशत संभावना जताई थी कि अधिकारी मौजूदा दर को ही बनाए रखेंगे। आज की बैठक फेड चेयरमैन के तौर पर जेरोम पॉवेल की आखिरी बैठक थी। इस पद पर आठ साल बिताने के बाद 15 मई को उनका कार्यकाल समाप्त होने वाला है। कमेटी ने केविन वॉर्श के नामांकन को आगे बढ़ाने के लिए वोट किया। उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेड का नेतृत्व करने के लिए चुना है। इससे वह अगले महीने पॉवेल की जगह लेने के एक कदम और करीब पहुंच गए हैं। वॉर्श को एक ऐसे फेडरल रिजर्व की कमान संभालनी होगी जो कई तरह के दबावों का सामना कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप की बार-बार ब्याज दरें कम करने की मांगों से लेकर महंगाई के उन आंकड़ों तक, जो पिछले महीने लगभग दो साल के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए थे।

पाकिस्तान से कर्ज की वापसी, फिर बड़ा कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी। उसने खाड़ी देशों के ऑयल कार्टेल को हिला कर रख दिया। 1 मई से यूएई ने ओपेक और ओपेक+ समूहों से बाहर निकलने की घोषणा की। यह ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध के कारण एनर्जी सप्लाई के रास्ते पहले से ही अस्त-व्यस्त हैं। यूएई के इस कदम से ओपेक समूह ने अपने सबसे बड़े उत्पादकों में से एक को खो दिया है। इससे ग्लोबल तेल सप्लाई और कीमतों पर ओपेक का प्रभाव और भी कमजोर हो गया है। भले लगता हो कि यूएई ने यह कदम अचानक उठाया है। लेकिन, सच यह है कि इसके संकेत वह देने लगा था। पाकिस्तान से लोन की डिमांड को इसी के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। इसका कनेक्शन सऊदी अरब और भारत से भी जुड़ता दिख रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी के एक बयान में कहा गया कि यूएई अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर ओपेक से बाहर निकल जाएगा। यह फैसला देश के लंबे समय के रणनीतिक और आर्थिक नजरिये और उसकी बदलती एनर्जी प्रोफाइल को दिखता है। ग्लोबल सप्लाई को कंट्रोल, तेल की कीमतों को सहारा और उत्पादक देशों के हितों की रक्षा करके ऐसा किया जाता है। यूएई के इस फैसले से ओपेक ढांचागत रूप से कमजोर हो सकता है। इससे समूह के लिए सप्लाई को संतुलित करना और कीमतों को स्थिर रखना और भी मुश्किल हो जाएगा। हाल के सालों में ओपेक की ताकत पहले से ही कम हो रही थी। अमेरिका ने कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ा दिया था। इसके अलावा, यूएई कई सालों से इस समूह से अपनी नाराजगी जाहिर कर रहा था। इसकी वजह कार्टेल के उत्पादन कोटे थे। इन्होंने उसे तेल की ज्यादा मात्रा निर्यात करने से रोक रखा था। हालांकि, इस फैसले की असली वजह यूएई और सऊदी अरब के बीच बढ़ता तनाव हो सकता है। राजनीतिक और आर्थिक मामलों को लेकर यूएई और सऊदी अरब के बीच संबंध लगातार बिगड़ते जा रहे थे। सऊदी अरब ओपेक का सबसे बड़ा उत्पादक है। यूरेशिया ग्रुप में मिडिल ईस्ट के डायरेक्टर फिरास मकसद ने 'द फाइनेंशियल टाइम्स' को बताया कि यूएई को खुद पर पाबंदियां लगाना पसंद नहीं था। खासकर तब जब वह ज्यादा तेल निकालना चाहता था। सऊदी कम तेल निकालने के पक्ष में था। फिरास ने स्त्रञ्ज को बताया कि ये राजनीतिक मतभेद ईरान के खतरे के जवाब में युद्ध को लेकर अलग-अलग रुख अपनाने के कारण सामने आए। उन्होंने कहा, 'यूएई ने अमेरिका और इजरायल का पूरी तरह से साथ दिया। जबकि दूसरे देश अपने विकल्पों का विस्तार कर रहे थे। जोखिम कम करने के उपाय अपना रहे थे।

एमसीएक्स पर बढ़ गई सोने-चांदी की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। आज का दिन बाजार में लिए काफी उथल-पुथल वाला रहा। शेयर मार्केट में जहां बड़ी गिरावट आई तो वहीं कच्चे तेल का भाव 120 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया। सोने-चांदी में भी तेजी देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर गुरुवार को सुबह-सुबह दोनों धातुओं में तेजी आई। वहीं गुडरिटर्न्स के मुताबिक सोने का भाव चढ़ गया, जबकि चांदी में बड़ी गिरावट आई।

एमसीएक्स पर गुरुवार सुबह 10 बजे जून डिलीवरी वाला सोना प्रति 10 ग्राम 74 रुपये की बढ़त के साथ 1,49,124 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी में 1000 रुपये से ज्यादा की तेजी आई। मई डिलीवरी वाली चांदी प्रति किलो 1290 रुपये बढ़कर 2,34,490 रुपये पर थी। गुडरिटर्न्स के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार सुबह 24-कैरेट सोना 220 रुपये की

तेजी के साथ 1,50,660 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। दूसरी ओर चांदी 5000 रुपये गिरकर 2.50 लाख रुपये प्रति किलो पर थी। बुधवार देर रात सोना और चांदी नुकसान के साथ कारोबार कर रहे थे।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को बीते सत्र में बाजार बंद होने तक राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत 500 रुपये बढ़कर 2,44,500 रुपये प्रति किलो (सभी टैक्स सहित) हो गई। मंगलवार को यह 2,44,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। इसके उलट 24-कैरेट वाले सोने के दाम 1,500 रुपये यानी एक फीसदी गिरकर 1,52,800 रुपये (सभी टैक्स सहित) प्रति 10 ग्राम रह गया। इसके पहले वाले सत्र में सोने की कीमत 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। वहीं इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को बाजार बंद होने के समय 24-कैरेट सोने की कीमत 1,47,970 रुपये प्रति 10 ग्राम (3 प्रतिशत जीएसटी और मेकिंग चार्ज के बिना) थी। 22-कैरेट सोने के दाम 1,44,420 रुपये प्रति 10 ग्राम थे। डॉलर इंडेक्स, कच्चा तेल और अमेरिका-ईरान तनाव के कारण बाजार में अभी काफी अस्थिरता बनी रहेगी। निवेशकों को नई पोजीशन लेने से पहले बाजार के स्थिर होने का इंतजार करना चाहिए। सर्राफा कारोबारियों ने पश्चिम एशिया में तनाव के कारण ऊर्जा की बढ़ती लागत पर गौर किया। इससे महंगाई ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती है। केंद्रीय बैंकों को लंबे समय तक अपनी नीतियां सख्त बनाए रखने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)